संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
दैनिक घटती घटना
Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com
अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक-334 शनिवार,05 अक्टूबर 2024, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

मुठभेड़ में 30 नक्सली मारे गए

» भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद...

» नारायणपुर में जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़...

» ऑपरेशन के बाद इलाके की सर्चिंग जारी...

» भारी मात्रा में नक्सलियों के सामान बरामद...

नारायणपुर,04 अक्टूबर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर-दंतेवाड़ा जिले के बॉर्डर में शुक्रवार को सुरक्षाबल के जवानों को बड़ी सफलता मिली। सुरक्षाबलों के जवानों ने मुठभेड़ में 30 नक्सलियों को मार गिराया। जानकारी के अनुसार,मारे गए नक्सलियों के पास से जवानों को बड़ी संख्या में ऑटोमैटिक हथियार भी मिले हैं। नक्सलियों के पास एके 47 भी बरामद हुई है। फिलहाल इलाके के सर्चिंग अभियान जारी है। ऑपरेशन में शामिल सभी जवान सुरक्षित हैं।

नक्सलियों के होने की मिली थी सूचना

एनकाउंटर की पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह मुठभेड़ जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में हुई। उन्होंने बताया कि नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिले की सीमा में स्थित अबूझमाड़ क्षेत्र में माओवादियों की उपस्थिति की सूचना मिलने पर नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिले से सुरक्षाबल के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना किया गया था।

नक्सलियों ने जवानों पर की थी फायरिंग

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोपहर लगभग एक बजे नक्सलवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद सुरक्षाबल के जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि सुरक्षाबलों ने अब तक सात नक्सलियों के शव, एके 47 और एसएलआर समेत कई अन्य हथियार बरामद किये हैं। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ में सभी जवानों के सुरक्षित होने की जानकारी मिली है।

सर्चिंग अभियान के दौरान मिली लाशें

जानकारी के अनुसार, अबूझमाड़ में 2 घंटे से रुक-रुककर फायरिंग हो रही थी। इसके बाद जब फायरिंग पूरी तरह रुकी तो सुरक्षा बल के जवानों ने सर्च अभियान चलाया। सर्च अभियान चलाया तो नक्सलियों के शव बरामद हुए। नक्सलियों के पास से ऑटोमैटिक हथियार बरामद हुए हैं। जानकारी के अनुसार, सुरक्षाबलों की एक दिन पहले नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिले से जवानों को नक्सलियों की सूचना मिली थी उसके बाद जवानों को नक्सल ऑपरेशन पर भेजा गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने पलटा 7 हाई कोर्ट का फैसला

» फिर खुलेंगे आईटीआर के 90,000 केस

नई दिल्ली,04 अक्टूबर 2024 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने आयकर विभाग के पक्ष में एक अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने पुराने प्रावधानों के तहत विभाग के 90,000 आईटी रिटर्न के मामलों को फिर से खोलने के निर्णय को सही ठहराया है। इनके लिए नोटिस 1 अप्रैल, 2021 के बाद जारी किए गए थे। इन नोटिसों को चुनौती देने के लिए विभिन्न उच्च न्यायालयों में 9,000 से अधिक याचिकाएं दायर की गई थीं। इसमें से अधिकांश मामलों में अदालतों ने टैक्सपेयर्स का पक्ष लिया था।
रिएसेसमेंट के नोटिस 2013-14 से 2017-18 तक के एसेसमेंट ईयर को कवर करते हैं। इनमें इंडिविजुअल और कॉरपोरेट दोनों टैक्सपेयर्स शामिल हैं। इसमें शामिल राशि हजारों करोड़ रुपये हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट को यह तय करना था कि आयकर अधिनियम के पूर्व-संशोधित प्रावधानों के अनुसार आयकर विभाग 1 अप्रैल, 2021 के बाद फिर से एसेसमेंट खोल सकता है या नहीं। 1 अप्रैल, 2021 से पहले आयकर अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार यदि एस्केप्ड इनकम 1 लाख रुपये या उससे अधिक थी, तो संबंधित आकलन वर्ष (जिसमें नोटिस प्राप्त हुआ था) से छह साल पहले तक के मामले फिर से एसेसमेंट के लिए खोले जा सकते थे।

जेडीयू और बीजे में मची तनातनी

पटना,04 अक्टूबर 2024(ए)। बिहार की जेडीयू सरकार में एक बार फिर सत्ता पक्ष के दो प्रमुख पार्टियों बीजेपी और जदयू के बीच तनातनी का माहौल बन गया है। इसकी शुरुआत हुई है जेडीयू के मंत्री जमा खान के एक बयान से, जिसमें उन्होंने केंद्र की सत्ता की चाबी जेडीयू के पास होने का दावा किया था। वहीं बीजेपी ने भी इस पूरे मामले में जदयू पर पलटवार किया है।

रूपा गांगुली का सड़क पर प्रदर्शन, हुई गिरफ्तार

कोलकाता,04 अक्टूबर 2024(ए)। बीआर चोपड़ा की महाभारत में द्रोपदी का किरदार निभाने वाली रूपा गांगुली को कोलकाता पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। भाजपा नेता और पूर्व सांसद रूपा गांगुली कोलकाता में प्रदर्शन कर रही थीं। इसी दौरान पुलिस ने रूपा को गिरफ्तार कर अलीपुर पुलिस स्टेशन लाया गया है। रूपा बीते रोज से कोलकाताके बांसद्रोणी इलाके में धरना प्रदर्शन कर रही थीं।

संपादकीय

भविष्य के लिए संधि को मंजूरी

गैर-बराबरी और गरीबी का संबंध आर्थिक नीतियों से है,जिनमें परिवर्तन संयुक्त राष्ट्र के दायरे से बाहर है। इसीलिए ये संधि व्यावहारिक रूप से कोई फर्क डाल पाएगी, इसकी उम्मीद नहीं जगी है। बहरहाल, सदिच्छाओं का भी अपना महत्त्व होता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भविष्य के लिए संधि' को मंजूरी मिल गई है। 21 वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए इस संधि में दुनिया को एकजुट करने की बात कही गई है। इस तरह संयुक्त राष्ट्र ने विश्व हित की अपनी इच्छा जताई है। लेकिन विडंबना यह है कि आज दुनिया एकजुट होने के बजाय बंटती नजर आ रही है। जिस तरह का टकराव और कड़वाहट है, वैसा दूसरे विश्व युद्ध के बाद शायद ही कभी दिखा हो।फिर भी,कहा जा सकता है कि प्रतिकूल स्थितियों में भी आशा और प्रयास को तिलांजलि नहीं दी जानी चाहिए। इस लिहाज से संयुक्त राष्ट्र की ताजा पहल प्रशंसनीय है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेश ने 193 सदस्यों वाली महासभा को इस संधि को मंजूर करने के लिए धन्यवाद दिया। कहा कि इस संधि से जलवायु परिवर्तन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, गैर-बराबरी और गरीबी जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए देशों के एकजुट होने का रास्ता खुला है, जिससे दुनिया के आठ अरब लोगों का जीवन बेहतर बनाया जा सकता है।रविवार को शुरू हुए दो दिवसीय भविष्य के शिखर सम्मेलन' के दौरान 42 पेज की संधि को अपनाया गया। संधि को अपनाने को लेकर महासभा की बैठक की शुरुआत तक संशय बना हुआ था। स्थिति इतनी अनिश्चित थी कि महासचिव गुटेरेश ने तीन अलग-अलग भाषण तैयार किए थे- एक पारित हो जाने के लिए, एक नामंजूर हो जाने की स्थिति के लिए, और एक उस स्थिति के लिए जब परिणाम स्पष्ट न हो। अंततः उन्होंने अपना पहला भाषण दिया। यहां तक सब ठीक है। लेकिन मुद्दा है कि जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं की वजह उपभोग बढ़ाने पर आधारित अर्थव्यवस्था है, जिस पर समझौता करने के कोई देश तैयार नहीं है।ना ही समस्या से निपटने के लिए गरीब देशों को वित्तीय मदद देने का अपना वादा धनी देशों ने निभाया है। इसी तरह गैर-बराबरी और गरीबी का संबंध आर्थिक नीतियों से है, जिनमें परिवर्तन संयुक्त राष्ट्र के दायरे से बाहर है। इसीलिए ये संधि व्यावहारिक रूप से कोई फर्क डाल पाएगी, इसकी उम्मीद नहीं जगी है। बहरहाल, सदिच्छाओं का भी अपना महत्त्व होता है।

प्रोपेगंडा,दोहरापन और गैर जिम्मेदारी

हमारे नेता नियमित रूप से प्रोपेगंडा, उपदेश, दिखावे, आदि करते रहते हैं। जबकि वास्तव में ताउम्र गद्दीनशीनी और तरह-तरह से दोहन की फिक्र में रहते हैं। यह स्वतंत्र भारत में शुरू से ही स्थापित मॉडल बन चुका है। सामान्य राजकाज अफसरों पर छोड़ा रहता है, जो उसे अपनी स्थिति, प्रवृत्ति और अवसरवादिता से जैसे-तैसे चलाते हैं। विभिन्न दलों और नेताओं में यही आम नमूना है। जो भी अंतर, वह मात्र डिग्री व रूप का है।इसलिए क्योंकि भारत के नेता ही किसी देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। और हमें गप्पी गाय' की उपाधि चीनी नेता माओ ने दी थी। पड़ोसी होने के नाते विविध प्रसंगों, अनुभवों पर ही उन्होंने अपनी राय बनाई होगी। माओ के अनोखे मुहावरों का प्रायः कोई स्पष्टीकरण नहीं मिलता। उन का आशय अनुमान से ही समझना होगा।वैसे, मुहावरे के दोनों शब्द सरल हैं। उन्हें मिलाकर अर्थ कुछ यही बनता है कि हम लोग बातें बनाने वाले, परन्तु दरअसल निरीह,नासमझ,और निकम्मे हैं। हमारे नेताओं की बातों और काम में कुछ भी प्रमाणिक (ऑथेन्टिक), गंभीर (सिन्सियर), या निस्वार्थ (डिसइन्टेरेस्टेड) नहीं रहा है, यह हमारे भी एक विद्वान ने 1952 में ही पाया था जिन की दृष्टि विशाल और पैनी थी।सो, यह दुःखद चरित्र स्वतंत्र भारत में आरंभ से बना, जो ब्रिटिश-राज के ठीक विपरीत था! ब्रिटिश शासक और अफसर यहाँ अपनी नीति, कानून और प्रशासन में कभी भी दिखावटी, भीरू या भ्रष्ट नहीं रहे थे। यह सभी भारतीय भी मानते थे। जबकि हमारे नेताओं की बातें प्रायः ऊपरी, कर्महीन, तथा उपदेशात्मक रही हैं। जिन का वास्तविक सामाजिक,

राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय हालातों से कम ही लेना-देना रहा। फलस्वरूप किसी मामले पर सही उपाय ढूँढ कर लगने, जरूरी कदम लेकर खतरे उठाने से भी उन का संबंध नहीं रहता।अप्रत्याशित या प्रत्याशित विकट घटनाओं पर भी लीपापोती करने, या शुतुरमुर्ग-सा सिर छिपा समय गुजारने की प्रवृत्ति उन में रही है। अर्थात, अपवाद छोड़ हमारे नेताओं में नीति-निर्माण और शासन की समझ तक नहीं रही है। इसी को माओ और आइजनहावर जैसे विदेशी नेताओं ने हैरत से देखा था! पहले गाँधीजी हिटलर को उपदेश लिखते थे, तो बाद में नेहरू अमेरिका को उसी के देश में लेक्चर पिलाते थे। कोई अपने धज-प्रवचनों से दूसरा जीसस' होने, तो कोई बस कबूतर उड़ा कर विश्व-शांति का मसीहा' होने का गुमान रखते थे। जबकि अपने देश-समाज की भी असलियत देखने की सूझ उन्हें न थी!अतः उन के गप्पी गाय' होने की उपमा ठोस अनुभव, अवलोकन पर बनी थी। क्या आज भी वह गलत लगता है? हमारे नेता नियमित रूप से प्रोपेगंडा, उपदेश, दिखावे, आदि करते रहते हैं। जबकि वास्तव में ताउम्र गद्दीनशीनी और तरह-तरह से दोहन की फिक्र में रहते हैं। यह स्वतंत्र भारत में शुरू से ही स्थापित मॉडल बन चुका है। सामान्य राजकाज अफसरों पर छोड़ा रहता है, जो उसे अपनी स्थिति, प्रवृत्ति और अवसरवादिता से जैसे-तैसे चलाते हैं।विभिन्न दलों और नेताओं में यही आम नमूना है। जो भी अंतर, वह मात्र डिग्री व रूप का है। वही अनुकरण नीचे तक अनुयायी करते हैं। सोशल मीडिया में भी इस के अंतहीन उदाहरण रोज दिखते हैं परनिन्दा,शेखी, और हर विषय पर इन्सटैंट ज्ञान। यह सब हम ने कहाँ से सीखा? अपने नेताओं से। वे ही संपूर्ण वाद-विवाद, तैश-तुर्शी को निर्देशित करते हैं।भारत में राष्ट्रीय विमर्श सदैव नेताओं द्वारा प्रवर्तित व नियंत्रित रहा है। समाजवाद, सेक्यूलरवाद से लेकर जातिगणना, और कण-कण में छीन-झपट के आरक्षण की सारी बातें व गतिविधियाँ सदैव ऊपर से चली हैं। विवेकशील, कर्मठ और न्यायपरक अधिकारियों का स्थान अंग्रेजी राज के साथ ही जाता रहा था। चाटुकार, अवसरवादी और भ्रष्टाचारी लगभग फौरन छा गये थे।अतः स्वतंत्र भारत का इतिहास माओ के अवलोकन की पुष्टि ही करता है। गाँधीजी के खलीफत भाषणों, एक वर्ष में स्वराज ले लेंगे' से लेकर, मैंने सेना को कह दिया है कि चीनियों को सीमा से बाहर फेंक दें', और आज के अच्छे दिन आ गये' जैसे दावों में समान तत्व क्या है ? बड़बोलापन; गंभीर मामलों पर भी नासमझी का प्रदर्शन समस्या को ठीक-ठीक जानने से भी बेपरवाह बस मन की तरंग से आसान हल देने की नीम-हकीमी;ठोकर खाकर भी अनुभव से कुछ न सीखना;अपनी करनी के कुपरिणाम की जिम्मेदारी न लेना; सच्ची समीक्षा न करना न करने देना; नेतृत्व में अपनी ताउम्र अपरिहार्यता मान कर चलना; देश-विदेश के दबंग शत्रुओं से नजर बचाना; उन पर बोलने से भी कतराना; तथा, इन तमाम आदतों से हो रही राष्ट्रीय हानियों पर पर्दा डालना।यदि उक्त आकलन सही हो, तो हम ने अपने को गप्पी गाय' से भिन्न क्या दिखाया? अभी देश में एक संगठन अपने को दुनिया का सब से बड़ा बताता है। कभी राष्ट्रवादी, तो कभी हिन्दूवादी बनता है। उन के नेता कहते हैं हमारा संगठन तीन दिन में ऐसी सेना तैयार कर सकता है जो युद्ध लड़ सके। लेकिन कश्मीर से लेकर केरल, कर्नाटक, बंगाल और दिल्ली, जम्मू तक,जब भी निरीह हिन्दू सामूहिक या अलग-अलग पीड़ित, अपमानित होकर मारे भी जाएं तो इन का एक सुसंगत बयान भी नहीं आता।मौके पर पहुँच कर लड़ना, जुटना तो दूर रहा! तब उन के लोग बेधड़क कहते हैं कि हमारा काम लड़ना नहीं, लड़ने के लिए कहना' है। जबकि उन की अपनी राजनीतिक पार्टी भी है, जो दशकों से यहाँ वहाँ सत्ताधारी भी है। शेखी बघारने में वे सब को मात देते हैं, पर हर विकट प्रसंग में मुँह सी लेते हैं। इस से अधिक प्रतिनिधि गप्पी गाय' का उदाहरण क्या हो सकता है! निस्संदेह, सभी लोकतंत्रों में नेतागण लफ्फाजी करते हैं। अपने शब्दजाल से लोगों को लुभाकर वोट लेना, फिर सत्ता पाकर पदों, संसाधनों की बंदर-बाँट उन का प्रधान काम है। लेकिन अमेरिकी, यूरोपीय लोकतंत्रों में नेताओं ने लफ्फाजी करने में राष्ट्रीय हित के गंभीर विषयों की एक सीमा रखी है।उन के नेता कुछ गंभीर बिन्दुओं पर एक सर्वदलीय सहमति रखते हैं, ताकि उन की प्रतिद्वंद्विता में समाज की क्षति न हो। उस की तुलना में, भारतीय नेताओं की लफ्फाजियाँ निस्सीम रही हैं। वे अपनी झक में दर्शन, नैतिकता, धर्म और इतिहास भी विकृत करते रहते हैं। तब चालू नियम-कानून और सामाजिक हित तो छोटी चीजें हैं।यह स्वतंत्र भारत में एक स्थाई दृश्य है। आज तो यदि किसी मुद्दे पर किसी ने कोई सत्याभासी बयान भी दे दिया, तो कुछ लोग उत्साह या आक्रोश से बावले होने लगते हैं। चाहे वह बयान आधा-अधूरा, अनावश्यक या दोषपूर्ण ही क्यों न हो! विशेषकर, सेक्यूलरिज्म वाले मुद्दों पर यह अधिक होता है। पर अन्य विषय भी हैं, जिस पर किसी नेता की सहज अभिव्यक्ति हलचल पैदा करती है। मानो, यह अपने-आप में उपलब्धि या अपराध हो!हाल में एक सांसद द्वारा किसान आंदोलन के नकारात्मक पहलुओं पर एक बयान उस का उदाहरण है।उन की पार्टी ने ही उन की सार्वजनिक खिंचाई की। मानो सांसद ने अपने मन की बात कह कर कोई अपराध कर दिया! जबकि उसी पार्टी का आई-टी सेल महीनों तक किसान आंदोलन पर वही बातें और अतिरंजित प्रचारित करता रहा था। उन के छोटे नेता व कार्यकर्ता उन्हीं मीम और पोस्टों को खूब शेयर करते थे। मानो, वह आंदोलन उन के अखंड प्रचार से ही ध्वस्त हो जाएगा!लेकिन उल्टा हुआ। अंततः उन की पार्टी ने ही किसान आंदोलन के सामने हथियार डाल दिए। तब सोशल मीडिया पर उन के समर्थकों और पत्रकारों पर घड़ों पानी पड़ गया। कुछ ने नेताओं के पिद्दीपन पर भड़ास भी निकाली। फिर, यहाँ के चलन अनुसार सब कुछ आयी-गयी बात हो गई।यही चीज ध्यान देने की है। प्रोपेगंडा, दोहरापन और गैरजिम्मेदारी।

-शंकर शरण-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

हरियाणा में पिछड़ रही भाजपा मतदान से ठीक पहले मुश्किल स्थिति से कैसे उबर गयी ?

हरियाणा में लगभग सवा नौ साल तक मुख्यमंत्री रहे मनोहर लाल खट्टर के खिलाफ उपजी नाराजगी को भांप कर भाजपा नेतृत्व ने इस साल मार्च में उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटा दिया था। खट्टर को लोकसभा चुनाव लड़वा कर और केंद्रीय मंत्री पद सौंप कर दिल्ली की राजनीति में स्थापित करने का प्रयास किया गया लेकिन खट्टर का मन हरियाणा में लगा रहा। भाजपा नेतृत्व को जब यह लगा कि खट्टर का नाम नुकसान पहुँचा रहा है तो पूरे चुनाव प्रचार अभियान से खट्टर का नाम और उनकी तस्वीर गायब कर दी गयी। हमने पाया कि भाजपा की हर चुनावी रैली अथवा जनसभाओं के दौरान मंच पर या उसके आसपास लगने वाले पोस्टरों, बैनरों और होर्डिंगों में खट्टर का नाम और तस्वीर नहीं थी। यही नहीं हरियाणा सरकार की जिन उपलब्धियों के सहारे भाजपा ने चुनाव लड़ा उसमें भी खट्टर की तस्वीर नहीं लगायी गयी। भाजपा ने साधारण लोगों की तस्वीरों का इस्तेमाल चुनाव प्रचार सामग्री में किया। जैसे युवाओं की तस्वीरों के साथ लिखा गया कि बिना खर्ची पर्ची नौकरी दी गयी। किसानों की तस्वीरों के साथ लिखा गया कि 24 फसलों का एमएसपी दे रही हरियाणा सरकार, महिलाओं की तस्वीरों के साथ लिखा गया कि तमाम योजनाओं का लाभ दे रही भाजपा सरकार। इसी प्रकार अन्य उपलब्धियों का बखान करते हुए भी प्रचार सामग्री तैयार करवायी गयी जिसमें आम लोगों की तस्वीरें प्रकाशित की गयी थी।

इसमें कोई दो राय नहीं कि खट्टर से छुटकारा पाकर भाजपा ने हरियाणा में खुद को मुश्किल स्थिति से उबारने में सफलता पाई है। ऐसा लगता है कि यदि भाजपा ने मार्च में खट्टर को हटाने का फैसला नहीं लिया होता तो आज वह चुनावी मुकाबले से पूरी तरह बाहर हो चुकी होती। खट्टर से व्यक्तिगत रूप से लोगों की नाराजगी भाजपा को चुनावों में उसी तरह नुकसान पहुँचा सकती थी जैसे कि राजस्थान विधानसभा के 2018 के चुनावों में देखने को मिला था जब नारे लग रहे थे कि मोदी तुझसे बैर नहीं, वसुंधरा तेरी खैर नहीं। हमसे बातचीत में भाजपा के भी कई समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने माना कि यदि खट्टर को हटाने का फैसला एक साल पहले लिया गया होता तो लोकसभा चुनावों में भी हम सारी सीटें जीत सकते थे।

इसके अलावा,15 दिनों पहले जब हमने हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार की कवरेज की शुरुआत की थी उस समय सब जगह कांग्रेस की हवा ही दिख रही थी लेकिन एक एक दिन बीतने के साथ यह हवा हमें धीमी पड़ती दिखी और अब जब चुनाव प्रचार खत्म हो चुका है तो कहा जा सकता है कि हवा किसी एक के पक्ष में नहीं है बल्कि कांटे का मुकाबला देखने को मिल सकता है। हरियाणा चुनाव के दौरान मुझे दिल्ली नगर निगम का पिछला चुनाव इसलिए याद आ गया क्योंकि उसमें भाजपा का सूपड़ा साफ होने की भविष्यवाणी की गई थी लेकिन जब परिणाम आये तो पार्टी नजदीकी मुकाबले में आम आदमी पार्टी से सिर्फ कुछ सीटों से पिछड़ गई थी। हरियाणा चुनावों में भी जमीनी स्थिति कुछ ऐसी ही दिखी। ऐसा लगता है कि भाजपा को जब इस बात का अहसास हुआ कि वह चुनाव में कांग्रेस से बहुत ज्यादा पीछे नहीं है तो उसने पिछले 10 दिनों में अपनी पूरी ताकत झोंक दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चार जनसभाएं कराई गयीं और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत तमाम मुख्यमंत्रियों को चुनाव प्रचार में उतार दिया गया। पूरे चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस ने 70 से ज्यादा रैलियां और जनसभाएं कीं। जवाब में भाजपा ने 150 सभाएं और रैलियां कर माहौल को पूरी तरह बदल दिया।

हरियाणा में कांग्रेस ने जमीन तक इस बात को पहुँचाने में सफलता हासिल कर ली थी कि कांग्रेस आ रही है, भाजपा जा रही है। भाजपा ने इस हवा की चाल को धीमा करने के लिए परिवारवाद को मुद्दा बनाया और भूपिंदर सिंह हुड्डा के पिछले शासन की याद दिलाई जिससे माहौल बदलने लगा। भाजपा ने जनता के बीच इस धारणा को मजबूत किया कि अगर कांग्रेस आई तो निश्चित रूप से हुड्डा को कमान सौंपी जाएगी। कांग्रेस नेतृत्व ने भी बार-बार हुड्डा को ही कमान सौंपने के संकेत दिये जिससे फायदा होने की बजाय नुकसान होता दिखा क्योंकि हुड्डा को अपने पिछले कार्यकाल में सिर्फ रोहतक का सीएम माना जाता था और उन पर अपने आलाकमान को खुश रखने के लिए प्रदेश के संसाधनों का दुरुपयोग करने के आरोप भी हैं। कई क्षेत्रों के लोगों का मानना है कि हुड्डा ने सिर्फ रोहतक में काम किया जिससे वहां की जमीनों के रेट ज्यादा हैं और उनके इलाके की जमीनों का रेट बहुत कम है।

इसके अलावा भाजपा ने जिस एकजुटता और रणनीति के साथ हरियाणा में काम किया उससे पार्टी मुकाबले में तेजी से वापसी करती दिखी। रैलियों, सभाओं और डोर टू डोर हुए प्रचार के बाद मिल रहे फीडबैक से भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह दिखा और इस उत्साह को और बढ़ाने के लिए पार्टी ने कोई कसर नहीं छोड़ी इसलिए 3 अक्टूबर शाम पांच बजे चुनाव प्रचार थमने तक भाजपा के प्रदेश के बड़े नेता, दूसरे राज्यों के मंत्री और मुख्यमंत्री तथा केंद्रीय मंत्री जनता के बीच लगातार पहुंचकर भाजपा की सरकार तीसरी बार बनाने की अपील करते दिखे। भाजपा की रैलियों पर नजर डालें तो पता चलता है कि पिछले लगभग एक महीने में प्रमुख नेताओं की 150 से अधिक जनसभाएं हुईं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत तमाम वरिष्ठ नेताओं ने रैलियों और रोड शो के माध्यम से अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं और कांग्रेस को अनेक मुद्दों पर सफलतापूर्वक घेरा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने तो एक दिन में 4 से 5 बड़ी रैलियां कीं। भाजपा के लिए हरियाणा में सघन प्रचार करने वालों में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव आदि शामिल रहे। हरियाणा भर में कोई शहर या गांव ना छूटे इसके लिए विभिन्न प्रदेशों के प्रवासी नेताओं और कार्यकर्ताओं की ड्यूटी भी लगायी गयी ताकि भाजपा की उपलब्धियों और पार्टी के संकल्प पत्र में किये गये वादों को जन-जन तक पहुँचाया जा सके। इसके अलावा भाजपा की सोशल मीडिया टीम ने विपक्षी नेताओं और उम्मीदवारों के प्रचार और उनके संबोधनों पर बारीकी से निगाह रखी। यदि किसी विपक्षी नेता ने कोई विवादित बयान दिया तो उसको सोशल मीडिया पर वायरल करवाया गया।

-नीरज कुमार दुबे-

भिलाई दुर्गोत्सव मध्य भारत में धार्मिक पर्यटन का पर्याय

त्रिभुवन लाल साहू
भिलाई नगर, दुर्ग
छत्तीसगढ़

देशभर में नवरात्र की धूम देखने को मिल रही है। इस दौरान हर कोई माता रानी की भक्ति में डूबा हुआ है। मध्यभारत के भिलाई में भी इस त्योहार की रौनक देखने को मिलती है। अगर आप दुर्गा पूजा का अनुभव करना चाहते हैं यहां के मशहूर पंडालों के दर्शन जरूर करें।भिलाई अपनी महान संस्कृति, भारत के विभिन्न कोनों से आए लोगों के साथ सामाजिक सद्भावना के साथ-साथ भव्य आयोजनों के लिए प्रसिद्ध हैं यह अपने आगंतुकों और स्थानीय लोगों के लिए बहुत कुछ प्रदान करता है।

नवरात्रि में अलग-अलग थीम की झांकियों के लिए प्रसिद्ध है। माता के बड़े पंडाल के साथ एक बड़े भाग में झांकी और झूले का भी इंतजाम किया जाता है।लोग माता के दर्शन करने के साथ झांकी और झूले और खाने पीने के लिए फ़ूड स्टाल में इसका लुफ्त उठाकर मनोरंजन करते हैं।हमेशा की तरह इस बार भी नवरात्रि में सेक्टर 1 सेक्टर 2 सेक्टर 4 सेक्टर 6, सेक्टर 7 सेक्टर 8 और सेक्टर 10 की झांकी लोगों को खूब लुभाएंगी। वही पावर हाउस खुर्सीपार सुपेला व गंजपारा दुर्ग का पण्डाल हर बार की तरह इस बार भी एक नया रोमांच देने के लिए तैयार है। गरबा और डांडिया रास पारंपरिक नृत्य रूप हैं जो दैवीय ऊर्जा और बुराई पर अच्छाई की विजय का जश्न के लिए तैयार हैं। शाम को इन ऊर्जावान नृत्यों में भाग लेने के लिए एक साथ आते हैं। रंग-बिरंगे परिधानों में सजी महिलाएं गोलाकार स्वरूप में नृत्य करती हैं, जबकि पुरुष डंडिया खेलते हैं, जो लाठी से किया जाने वाला नृत्य है। ये नृत्य ब्रह्मांडीय लय और सभी प्राणियों के परस्पर जुड़ाव का प्रतीक हैं।भिलाई में दुर्गा उत्सव में आपको परम्परा व आधुनिकता का संगम देखने को मिलेगा।

योगी जी का नया फरमान

योगी जी ने पिछले दिन फिर आदेश निकाला है कि खान-पान वाले अपने मालिक और मैनेजर का नाम लिखेंगे । सभी कर्मचारियों के नाम भी घोषित होना चाहिए ? खाना बनाने वाले मास्क और दस्ताना पहनें । कुछ समय पहले कांवड़ के समय में योगी जी ने आदेश निकाला था कि सभी खाद्य पदार्थ बेचने वाले, यहाँ तक कि ढेले वाले भी नाम घोषित करेंगे । योगी जी का आरोप था कि बहुत से मुसलमान अपनी दुकान का नाम हिन्दू देवी देवताओं के नाम पर रख लेते हैं और इससे हिन्दू कांवड़िए मुसलमान की दुकान का खाना खा लेते हैं । अब हिन्दू धर्मशास्त्र के जानकारों का कहना है कि यह कहीं नहीं लिखा है कि दूसरे धर्म वाले का दिया खाना खाने से कोई पथ भ्रष्ट हो जाता है । तब तो केवल ब्राह्मण के हाथ का बना खाना ही खाना चाहिए । सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी थी । स्वच्छता अच्छी चीज है, परन्तु इसे जाति या धर्म से जोड़ना ठीक नहीं है । कहते हैं वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर के भगवान के कपड़े मुस्लिम महिलाएं सिलती हैं । अलमें भाजपा के कुछ लोग देश को हिन्दू राष्ट्र बनाना चाहते हैं । अब भाजपा वाले कहते हैं कि कांग्रेस के कारण देश का विभाजन हुआ । अब कुछ मुसलमानों के साथ तो हम नहीं रह सकते, फिर देश का विभाजन नहीं होता तो क्या दोनों सम्प्रदाय के लोग शांति से रह सकते थे । वीर सावरकर ने भी लिखा है कि हिन्दू राष्ट्र में मुसलमानों के लिए कोई जगह नहीं हैं । असलियत यह है कि हिन्दू महासभा ने बंगाल और सिंध में मुस्लिम लीग के साथ मिलकर प्रांतीय सरकार बनाई थी । असल में योगी जी साधु संत भी बना रहना भी चाहते हैं तो राजनीति भी करना चाहते हैं । देश की बहुत प्रतिष्ठित संस्था गोरखनाथ पीठ के वे अधिष्ठाता हैं । परन्तु साधु होने के कारण वे अपने पिता की मौत के बाद दाह संस्कार में शामिल नहीं हुए । अब यह दोहरी नीति कैसे चल सकती है । योगी जी दूसरी बार के मुख्यमंत्री हैं । अभी जो आदेश निकाला है वह पहले क्यों नहीं निकाला । असल में उत्तर प्रदेश में दस सीटों पर उप चुनाव होने हैं । हिन्दी वोट साधने के लिए यह नया आदेश आया है, विपक्ष ऐसा आरोप लगाता है । यह भी कहा जाता है कि वे देश के प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं । यद्यपि मोदी जी के बाद अमित शाह का ही नम्बर है । विपक्ष का यह भी आरोप है कि योगी जी और अमित शाह के बीच सम्बन्ध मधुर नहीं है । अभी कश्मीर में चुनावी भाषण देते हुए अमित शाह ने घोषणा की कि वे ईद और मोहर्रम पर फ्री गैस सिलेण्डर देंगे । असल में जम्मू कश्मीर में यदि भाजपा अपनी सरकार बनना चाहती है तो उसे कश्मीर को साधना पड़ेगा और कश्मीर में बहु संख्यक हिन्दू नहीं, मुसलमान है । अब यदि कश्मीर में ईद और मोहर्रम पर फ्री गैस सिलेण्डर मिलेगा तो यह देश के अन्य राज्यों में रहने वाले मुसलमानों को क्यों नहीं? भारत के लिए हिन्दू राष्ट्र की कल्पना करना एक बड़ा खतरनाक खेल है और देशहित में नहीं होगा, ऐसा बहुतों का मानना है ।

-अजय दीक्षित-

आओ गीत लिखें

घटती-घटना
प्रमेशदीप मानिकपुरी
धमतरी (छत्तीसगढ़)

मेरे मन के मीत लिखे कोई अब एक गीत
शीतल,सुगंध,पवन बहे ऐसे बने कोई रीत
नयन निर्मल हो जाये जैसे अश्रु से धुलकर
आओ ऐसा गीत लिखे हम दोनों मिलकर
जीवन हो प्रफुल्लित मन में नव राग जगे
मधुरीम हो जीवन ऐसे सब के भाग जागे
सुवासित हो जाये उपवन प्रसून खिलकर
आओ ऐसा गीत लिखे हम दोनों मिलकर
कोयल की वाणी जीवन का राग सुनाएं
कोकिल कंठ से जीवन का राज बताएं
जीवन का पल सुंदर हो जिसमें घुलकर
आओ ऐसा गीत लिखे हम दोनों मिलकर
पत्ता-पत्ता डाली-डाली दे रहे है सन्देश
गम के बाद ही ख़ुशियों का होगा प्रवेश
अमन चैन ही फैलाये हम दोनों मिलकर
आओ ऐसा गीत लिखे हम दोनों मिलकर

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

संदीप लकड़ा हत्याकांड का एक और आरोपी गिरफ्तार,मुख्य आरोपी अभी भी फरार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम बेलजोरा निवासी दीपेश उर्फ संदीप लकड़ा हत्याकांड मामले में सरगुजा पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अब तक कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। वहीं मुख्य आरोपी ठेकेदार अभिषेक पांडेय अभी भी पुलिस गिरफ्त से बाहर है। जिसे पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है।

जल जीवन मिशन के ठेकेदार अभिषेक पांडेय के साइड पर राजमिस्त्री सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम बेलजोरा निवासी दीपेश उर्फ संदीप लकड़ा काम करता था। इस पर छड़ सीमेंट चोरी करने का आरोप लगाकर ठेकेदार ने अपने अन्य कर्मचारियों व साथियों के साथ मिलकर संदीप लकड़ा

मारपीट कर 7 जून को उसकी हत्या कर दी थी। हत्या करने के बाद उसके शव को सभी ने ग्राम लुरेना बड़वापाट कमलेश्वरपुर स्थित निर्माणाधीन पानी टंकी के नीचे गड्ढे में दफन कर दिया था। उसके उफर कांक्रीट करा दिया था। परिजन की रिपोर्ट पर सीतापुर पुलिस ने 6 सितंबर को उसकी लाश बरामद की थी। पुलिस ने घटना में शामिल प्रत्युश पाण्डेय, गुड्डु कुमार, तुलेश्वर तिवारी, शैल शक्ति साहू, गौरी तिवारी, दीपांशु महाराज, जहांगीर को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया था। वहीं मामले के मुख्य आरोपी अभिषेक पांडेय व अन्य आरोपी फरार चल रहे हैं। वहीं मामले में शामिल आरोपी मो. सब्बा अंसारी उम्र 30 वर्ष निवासी कुसमई धौरिया थाना बिरनी जिला गिरिडीह झारखण्ड को गोवा से गिरफ्तार किया है।

सब्बा अंसारी का यह था गुनाह

पूर्व में गिरफ्तार आरोपी जहांगीर के साथ सब्बा भी गोदाम का देख रेख करता था। 7 जून को मुख्य आरोपी अभिषेक पांडेय व अन्य लोगों ने मृतक संदीप लकड़ा को गोदाम में उल्टा बांधकर मारपीट कर बंद कर दिए थे। इससे उसकी मौत हो गई थी। इन दोनों आरोपियों को घटना की जानकारी होने के बावजूद भी पुलिस व परिजन को न बताने का आरोप है। जिसे गिरफ्तार किया गया है। मामले में मुख्य आरोपी अभिषेक पांडेय व अन्य आरोपी फरार चल रहे हैं। आईजी अंकित गर्ग ने मुख्य आरोपी के बारे में पता बतने वालों को 30 हजार व एसपी ने दस हजार रुपए की इनाम की घोषणा की गई है। इसके बावजूद भी मुख्य आरोपी तक पुलिस नहीं पहुंच पाई है।

एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर अभाविप ने शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की है।

विद्यार्थी परिषद के प्रदेश तकनीकी सह प्रमुख गोपाल सिंह द्वारा बताया गया कि कॉलेज की स्थापना वर्ष 2010 में हुई थी, और प्राचार्य डॉ. खरे पर 30 करोड़ रुपए के घोटाले और अन्य आर्थिक अनियमितताओं का आरोप लगाया जा रहा है। छात्रों का कहना है कि प्राचार्य ने मनमाने तरीके से 500 रुपए प्रति दिन की लेट फीस वसूली कर छात्रों को परेशान किया है। इसके अलावा, कॉलेज की बुनियादी सुविधाएं ठीक से नहीं दी जा रही हैं, जिससे छात्रों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। हड़ताल में शामिल नगर मंत्री सत्येंद्र मिश्रा ने कहा, हम प्राचार्य को तत्काल हटाने की मांग कर रहे हैं ताकि छात्रों को सभी सुविधाओं का लाभ मिल सके। कॉलेज में उचित व्यवस्थाओं की कमी है और प्राचार्य का छात्रों के प्रति व्यवहार भी अस्वस्थकर है।

विद्यार्थी परिषद के नगर सह मंत्री अस्तिक सिंह द्वारा बताया गया की विद्यार्थी परिषद ने प्राचार्य के द्वारा की जा रही मनमानी को समाप्त करने और कॉलेज में सुधार की मांग की है।प्राचार्य एवं शिक्षकों द्वारा छात्रों को मानसिक रूप से प्रताड़ित भी किया जाता है।

रात्रि 7-00 बजे विश्वविद्यालय के कुलसचिव द्वारा यह आश्वासन दिया गया कि प्राचार्य के ऊपर विश्वविद्यालय परिषद की बैठक में जांच कमेटी बैठाने का निर्णय लिया जाएगा इसके अंत में विद्यार्थी परिषद ने अनिश्चितकालिन आंदोलन को समाप्त किया ।

शादी का झांसा देकर जबरन दुष्कर्म मामले मे आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा महिला सम्बन्धी अपराधों मे शामिल आरोपियों पर लगातार सख्ती से कार्यवाही की जा रही हैं, इसी तारतम्य में प्रार्थिया दिनांक 20 सितम्बर 24 कों थाना मणिपुर आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि पीड़िता की जानपहचान पूर्व मे ग्राम पनसरा थाना वाड्रफनगर निवासी सरोज कुमार मारकण्डे से हुआ था,पहचान होने के बाद मोबाईल से बात चीत करने के दौरान दोनों एक दूसरे से प्रेम करने लगे कि वर्ष 2015 के माह अगस्त में आरोपी प्रार्थिया के किराये के कमरा में आकर शादी का झांसा देकर प्रार्थिया कों आदिवासी समुदाय का होना जानते हुए भी जबरन दुष्कर्म की घटना कारित किया गया हैं, घटना दिनांक के पश्चात भी आरोपी द्वारा वर्ष 2023 तक प्रार्थिया के साथ जबरन दुष्कर्म की घटना कारित किया गया हैं, और अब आरोपी शादी करने से इनकार कर रहा हैं, मामले मे प्रार्थिया के रिपोर्ट पर थाना मणिपुर मे अपराध क्रमांक 307/24 धारा 376 (2) एन भा.द.वि. एवं एसटी/एससी एक्ट की धारा 3(2)(ड्ड)का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

आर्मी पति सहित ससुराल वाले कर रहे थे दहेज को लेकर प्रताड़ित,रिपोर्ट दर्ज

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

शहर के एक युवती ने अपने आर्मी पति सहित सास, ससुर, ननद और नन्दोई पर दहेज प्रताडऩा का आरोप लगाते हुए महिला थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

जानकारी अनुसार सभ्या गुप्ता पिता प्रकाश गुप्ता 32 वर्ष शहर के देवीगंज रोड की रहने वाली है। उसका विवाह वर्ष 2018 में आर्मी में मेजर के पद पर मानेसर हरियाणा में पदस्थ शेखर गुप्ता पिता मिथिलेश गुप्ता निवासी नजफगढ़ दिल्ली के साथ सामाजिक रीति-रिवाज से हुआ था। विवाह के बाद ससुराल में पति के अलावा सास माया गुप्ता,ससुर मिथिलेश गुप्ता,ननद प्रीति गुप्ता,नन्दोई ऋषि गुप्ता साथ में रहते थे। विवाह दौरान पिता ने दहेज में कार,जेवर, चांदी के बर्तन, सोफा,पलंग,वाशिंग मशीन,टीव्ही सहित अन्य घरेलू सामान व तिलक में नगद दो लाख 11 हजार रुपये, सोने का चैन, अंगूठी, ब्रेसलेट, ससुर व नन्दोई को सोने की अंगूठी, सास व ननद को सोने के टाप्स व अंगूठी दिया था। इसके बाद भी ससुराल पक्ष संतुष्ट नहीं था।

इसके बाद पति व ससुर ने फ्लैट खरीदने के लिए 35 लाख रुपये मांगा,जिस पर विवाहिता के पिता ने 9 लाख 70 हजार रुपये दिए। इसके बाद भी प्रताडऩा नहीं थमा और ननद,नन्दोई ने कमरे में बंद करके सादे कागज पर यह लिखवाकर दस्तखत कराया कि उसे कुछ होता है तो इसके जिम्मेदार ससुराल पक्ष के लोग नहीं होंगे। पीड़िता प्रताडऩा से परेशान होकर मायके अंबिकापुर चली आई और मामले की रिपोर्ट महिला थाना में दर्ज कराई । महिला की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी पति शेखर गुप्ता, सास माया गुप्ता, ससुर मिथिलेश गुप्ता, ननद प्रीति गुप्ता, नन्दोई ऋषि गुप्ता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

आयुक्त शहला निगार की अध्यक्षता में संभागीय बैठक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर 04 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)। राज्य शासन में कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती शहला निगार की अध्यक्षता में शुक्रवार को कृषि एवं संबद्ध विभागों की संभागीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में खरीफ वर्ष 2024 की प्रगति तथा रबी वर्ष 2024-25 के कार्यक्रम पर चर्चा की गई। बैठक में एपीसी श्रीमती शहला ने बैठक में कहा कि धान के अतिरिक्त अन्य फसलों के उत्पादन को बे ावा देते हुए फसल विविधीकरण पर फोकस किया जाए। कृषि एक तकनीकी विषय है। कृषि के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन हेतु कम अवधि, कम पानी की उपयोगिता वाली फसलों, नई तकनीकों के इस्तेमाल पर जोर दिया जाए जिससे कम परिश्रम में अधिक उत्पादन प्राप्त हो और किसानों को लाभ हो। उन्होंने कहा कि जिलों में किसान क्रेडिट कार्ड बनाए जाने एवं इसके माध्यम से ऋ्टा वितरण और बीज उत्पादन को बे ावा देने में विशेष रूप से ध्यान दें। सरगुजा संभागीय क्षेत्र की जलवायु के अनुरूप तिलहन, गेहूं, मक्का जैसे फसलों को बे ावा दिया जाए। यहां फलों और सब्जियों के उत्पादन के अनुकूल वातावरण है। शासकीय रोपणियों को आर्थिक रूप से सशक्त करने सार्थक प्रयास किया जाए। उन्होंने कहा कि

परिणाम मूलक प्रयास करना प्राथमिकता हो। उन्होंने शासन की मंशा अनुरूप मत्स्य और दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में भी कार्ययोजना बनाकर प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश दिए। राज्य स्तर पर सरगुजा संभाग में डेयरी उत्पादन को बे ` स्तर पर बे ावा देने की जानकारी देते हुए उन्होंने कलेक्टरों को जिले की क्षमता और संसाधनों की रिपोर्टिंग के निर्देश दिए।

बैठक में संचालक कृषि डॉ सारांश मित्तर, संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ प्रियंका शुक्ला, संचालक उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी श्री एस जगदीशन, संचालक मत्स्य श्री नारायण सिंह नाग भी उपस्थित रहे। सभी विभागाध्यक्षों ने अपने विभाग से संबंधित जानकारी एवं शासन की मंशा अनुरूप कार्ययोजना, लक्ष्य और चुनौतियों की जानकारी देते हुए जिलों के विभागीय अधिकारियों का मार्गदर्शन किया। संभागायुक्त श्री जीआर चुरेंद्र ने बैठक में संभाग के सभी अधिकारियों को उनके क्षेत्र की दशा एवं उपलब्ध संसाधनों में बेहतर कृषि नवाचारों की पहल के साथ परम्परागत तरीकों को अपनाने की बात कही।

सरगुजा फुटबॉल एकेडमी व सरगुजा पुलिस ने जीते मैच

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

नगर के गांधी स्टेडियम में खेले जा रहे संभाग स्तरीय नॉकआउट कमलीग फुटबॉल प्रतियोगिता के अंतर्गत शुक्रवार को दो मैच खेले गए। प्रथम मैच संत इग्निस चर्च नमना कला विरुद्ध सरगुजा फुटबॉल एकेडमी के मध्य खेला गया। प्रथम हाफ में दोनों टीमों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया और एक भी गोल करने में सफल नहीं हुए। दूसरे हाफ में सरगुजा फुटबॉल एकेडमी की टीम ने लगातार तीन गोल कर 3-0 गोल से मैच जीत लिया। दूसरा मैच सरगुजा पुलिस विरोध न्यू स्पोर्टिंग क्लब दुग्गा के मध्य खेला गया। अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए सरगुजा पुलिस ने 2-0 गोल से न्यू स्पोर्टिंग क्लब को हरा दिया। शनिवार को इस प्रतियोगिता के अंतर्गत दो मैच खेले जाएंगे। प्रथम मैच न्यू स्पोर्टिंग क्लब चर्चा विरुद्ध संत इग्निस चर्च नमना कला के मध्य तथा दूसरा मैच सूरज क्लब तालपारा विरुद्ध ट्राइबल टाइगर ए के मध्य खेला जाएगा।

थाइलैंड में आयोजित चैंपियनशिप के लिए शहर के खिलाड़ी शिवानी का चयन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

शहर के मिनी गोल्फ खिलाड़ी शिवानी सोनी का चयन थाइलैंड में आयोजित चैंपियनशिप के लिए किया गया है। यह प्रतियोगिता 8 से 15 अक्टूबर तक आयोजित की जाएगी। छत्तीसगढ़ से एकमात्र महिला प्रतिभागी के शामिल होने से उनके सहयोगियों और बास्केटबाल टीम में खुशी का माहौल है।

शिवानी ने बताया कि शहर के गांधी स्टेडियम में स्थित बास्केटबाल मैदान में वे प्रेक्टिस करते आ रही हैं। यहां स्थानाभाव की कमी झलकती

जरूरत हैं, लेकिन प्रतिभा में निखार लाने के लिए और कोई दूसरा ऑप्शन उनके पास नहीं है, जहां वे प्रेक्टिस कर सकें। ऐसे में स्वयं अपना मैदान तैयार करके निरंतर अभ्यास की बदौलत उन्होंने ऑल इंडिया स्तर पर बेस्ट प्लेयर का अवार्ड सहित कई ऐसे रैंक हासिल किए जिससे, छत्तीसगढ़ का नाम रौशन हुआ है। शिवानी इसके पहले चाइना मिनी गोल्फ में वर्ल्ड चैंपियनशिप में प्रतिभागी रही हैं, यहां इन्हें वूमेंस टीम में 9वां रैंक मिला था, वहीं स्वीडन में हुए मिनी गोल्फ चैंपियनशिप में 7वां रैंक उन्होंने हासिल किया था। दो वर्ष राजस्थान में ऑल ओवर इंटर यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में प्रतिभागी रहते हुए सिंगल स्ट्रोक इवेंट में शिवानी ने गोल्ड मैडल हासिल किया था। इन्हें ऑल इंडिया बेस्ट प्लेयर अवार्ड, एकलव्य बेस्ट इंटरनेशनल प्लेयर अवार्ड भी मिल चुका है, जो प्रदेश वासियों को गौरवान्वित करने वाला क्षण रहा।

राष्ट्रपति दिसानायके से मिले जयशंकर,श्रीलंका के आर्थिक पुनर्निर्माण में समर्थन का दिया आश्वासन

कोलंबो,04 अक्टूबर 2024। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात की। उन्होंने दोनों देशों के बीच जारी सहयोग को बढ़ाने और संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने श्रीलंका की अर्थव्यवस्था के पुनर्निर्माण में भारत की ओर से निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया।

जयशंकर आज सुबह एक दिवसीय दौरे पर श्रीलंका पहुंचे। उनका यह दौरा तब हुआ है, जब हाल ही में राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद दिसानायके ने देश की कमान संभाली है। विदेश मंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, ÷राष्ट्रपति दिसानायके से मिलने का अवसर मिला। उनकी सकारात्मक भावनाओं और भारत-श्रीलंका संबंधों के लिए मार्गदर्शन की सराहना की। हमने दोनों देशों और क्षेत्र के लोगों के लाभ के लिए जारी सहयोग को और गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की।

23 सितंबर को दिसानायके के राष्ट्रपति बनने के बाद जयशंकर पहले विदेशी मेहमान हैं। उनका स्वागत श्रीलंका के विदेश मंत्री अरुणी विजेवर्दना और भारत के उच्चायुक्त संतोष झा ने किया। इससे पहले जयशंकर ने अपने श्रीलंकाई समकक्ष विजिथा हेराथ से भी मुलाकात की। इस मुलाकात पर उन्होंने कहा, आज कोलंबो में विजिथा हेराथ के साथ व्यापक और विस्तृत चर्चा की और उन्हें नई जिम्मेदारियों को संभालने के लिए एक बार फिर से बधाई दी।

जयशंकर ने भारत-श्रीलंका साझेदारी के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की औ श्रीलंका की अर्थव्यवस्था के पुनर्निर्माण भारत के समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, हमारी पड़ोसी पहले नीति और सागर दृष्टिकण हमेशा भारत-श्रीलंका संबंधों को आगे बढ़ाने में मार्गदर्शन करते रहेंगे।

समुद्री क्षेत्र में श्रीलंका, भारत का अहम पड़ोसी है और हिंद महासागर क्षेत्र में एक विशेष स्थान रखता है। इस यात्रा के दौरान जयशंकर ने भारतीय परियोजनाओं को लेकर दिसानायके की उन चिंताओं पर भी फोकस किया, जो उन्होंने विपक्ष में रहते हुए उठाई थीं। विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत की पड़ोसी पहले नीति और सागर दृष्टिकोण के अनुसार यह यात्रा दोनों के बीच लंबे समय से चले आ रहे साझेदारी को और गहरा करने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बिना अतिरिक्त ऑक्सीजन के 14 चोटियों को किया फतह,नेपाली पर्वतारोही मिंगमा ने रचा इतिहास

काठमांडू,04 अक्टूबर 2024। नेपाल के जानेमाले पर्वतारोही मिंगमा जी.शेरपा ने शुक्रवार को इतिहास रचते हुए 8,000 मीटर से ऊंची सभी 14 चोटियों को बिना अतिरिक्त ऑक्सीजन के फतह किया। मिंगमा ने तिब्बत में स्थित शिशापांगमा (8,028 मीटर) के शिखर पर दोपहर करीब 4 बजकर 6 मिनट पर पहुंचे। वह पहले ऐसे पर्वतारोही बने हैं, जिन्होंने बिना अतिरिक्त ऑक्सीजन के 14 चोटियों पर चढ़ाई की। यह जानकारी इमेजिन नेपाल ट्रेक्स के निदेशक दावा शेरपा ने दी, जिन्होंने इस अभियान का आयोजन किया था। दावा शेरपा ने कहा, ÷मिंगमा (38 वर्षीय) इमेजिन नेपाल ट्रेक्स की 11 सदस्यीय टीम का नेतृत्व करते हुए 4.06 स्पेनिश मार्ग से शिखर पर पहुंचे। एडुर्ने पासाबान ने 2006 में यह मार्ग अपनाया था। मिंगमा ने 2022 में माउंट एवरेस्ट, माउंट धौलागिरी और माउंट कंचनजंगा पर बिना अतिरिक्त ऑक्सीजन के चढ़ाई की थी। उन्होंने 2021 में मनास्लू, 2019 में गैशरब्रम-द्वितीय, 2018 में ल्होत्से और ब्रॉड पीक, 2017 में के2, मकालू और नंगा पर्वत और 2016 में गैशरब्रम-प्रथम और 2015 में अन्नपूर्णा पर भी बिना अतिरिक्त ऑक्सीजन के चढ़ाई की थी।

मिंगमा का जन्म पूर्वी नेपाल के डोलखा जिले के रोल्वालिंग ग्रामीण नगर पालिका में हुआ था। वह इमेजिन नेपाल ट्रेक्स के प्रबंधन निदेशक हैं, जो पर्वतारोहण और ट्रेकिंग सेवाओं का आयोजन और संचालन करती है। 2017 से 2024 तक अपने करियर में मिंगमा की उपलब्धियों में एवरेस्ट (उत्तर और दक्षिण दोनों ओर से), के2 की पांच चढ़ाई, अन्नपूर्णा-प्रथम, धौलागिरी, मकालू, कंचनजंगा और मनास्लू पर सात बार चढ़ाई शामिल है।

भारतीय मूल के मंत्री पर भ्रष्टाचार के मामले में कारोबारी भी शामिल

उपहार लेने के लिए उकसाने का आरोप

सिंगापुर,04 अक्टूबर 2024। सिंगापुर में भारतीय मूल के पूर्व परिवहन मंत्री एस. ईश्वरन को हाई कोर्ट ने भ्रष्टाचार के मामले में 12 महीने की सजा सुनाई थी। शुक्रवार को एक प्रोपर्टी कारोबारी पर ईश्वरन के मामले में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। 78 वर्षीय ओंग बेंग सेंग पर एक लोक सेवक को उपहार लेने के लिए उकसाने और न्याय में बाधा डालने का आरोप है। पूर्व मंत्री ईश्वरन को उपहार के तौर पर फॉर्मूला वन (एफ1) का टिकट और ओंग से दोहा की यात्रा जैसी चीजें प्राप्त करने के लिए दोषी ठहराया गया था।

कोर्ट के दस्तावेजों के अनुसार, दिसंबर 2022 में ओंग ने ईश्वरन को प्राइवेट विमान पर लगभग 7,700 अमेरिकी डॉलर (6,46,582 रुपये) की कीमत पर सिंगापुर से दोहा की यात्रा की पेशकश करके एक मूल्यवान वस्तु प्राप्त करने के लिए उकसाया था। उन्होंने दोहा के एक होटल में 4,737.63 सिंगापुर डॉलर (3,06,922 रुपये) के मूल्य पर एक रात ठहरने और ईश्वरन के लिए दोहा से सिंगापुर के लिए एक बिजनेस क्लास की उड़ान की भी व्यवस्था की थी।

रिपोर्ट में बताया गया कि चार्जशीट के अनुसार, ईश्वरन को मालूम था कि यह सिंगापुर ग्रैंड प्रिक्स 2022 से 2028 के लिए सिंगापुर जीपी और सिंगापुर पर्यटन बोर्ड के साथ सुविधा समझौते से जुड़ा था। ईश्वरन एफ1 संचालन समिति के अध्यक्ष सिंगापुर जीपी के मुख्य वार्ताकार थे। वहीं ओंग एफ1 रेस प्रोमोटर सिंगापुर जीपी के अध्यक्ष थे।

अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, वोंग ने ही ईश्वरन को बताया था कि भ्रष्टाचार विरोधी निकाय ने दिसंबर 2022 में यात्रा के लिए फ्लाइट मैनिफेस्ट को जब्त कर लिया है। पूर्व परिवहन मंत्री ईश्वरन जांच से बचने के लिए ओंग से बिल चुकाने को कहा था। ओंग पर धारा 165 के तहत उकसाने का आरोप लगाया गया है। इसके साथ ही उनपर न्याय में बाधा डालने का भी आरोप है। ओंग के वकील ने छह सप्ताह का समय मांगा और मामले को प्री-ट्रायल कॉन्फ्रेंस में बदलने के लिए कहा। अभियोजन पक्ष ने कहा कि उसे कोई आपत्ति नहीं है। मामले की सुनवाई 15 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी गई।

बाइक की ठोकर से स्कूटी सवार महिला घायल

- संवाददाता -

अंबिकापुर,04 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

बेटी को कॉलेज छोड़कर आ रही महिला को मोटरसाइकिल सवार लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए ठोकर मार दिया, जिसमें उसे गंभीर चोटें आई है। महिला का उपचार चल रहा है।

जानकारी के मुताबिक बलरामपुर निवासी रेणुका सरकार पति सुकेश सरकार 45 वर्ष का मायका अंबिकापुर के गांधीनगर थाना अंतर्गत फुंदुरडिहारी भगवानपुर में है। यहां वह अपनी पुत्री के साथ रहती है, जो साईं कॉलेज में पढ़ती है। बीते दिवस रेणुका अपनी पुत्री का कॉलेज छोडने् के लिए स्कूटी से गई थी। वापस आते वक्त जनता गैरेज गली में बाइक सवार उसे ठोकर मार दिया, जिसमें उसे गंभीर चोटें आई थी। महिला को आई चोटों को देखते हुए उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है।

विजयादशमी महापर्व पर विशाल रावण दहन व विभिन्न कार्यक्रमों का होगा आयोजन

- संवाददाता -

अंबिकापुर,04 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा सेवा समिति के महासचिव संजय अग्रवाल जी ने कार्यक्रमों कि जानकारी देते हुवे बताया की दिनांक 06/10/2024 को मानस गान प्रतियोगिया का शुभारंभ प्रातः 11:00 बजे से स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर के हॉल के होगा व समापन दिनांक 07/10/2024 को शाम 04:00 बजे किया जाएगा । इसके साथ दिनांक 09/1/2024 को प्रातः 11:00 बजे से कला केंद्र मेदान मैं शैला नृत्य व शुगा नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है तत्पश्चात दिनांक 12/10/2024 को दोपहर 12:00 बजे श्री राम मंदिर से शोभा यात्रा निकाली जाएगी जो नगर भ्रमण करते हुवे स्थानीय पी.जी.कॉलेज ग्राउंड पहुंचेगी जहाँ विशाल रावण दहन व भव्य आतिशबाजी का कार्यक्रम सम्मानित अतिथियों व सभी सम्मानित नागरिक बंधुओं के बीच सम्पन्न होगा ।

थाना के सामने दुकान में चोरी, नगद राशि सहित दस्तावेज पार

- संवाददाता -

अंबिकापुर,04 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाने के सामने स्थित लक्ष्य ट्रेडर्स में गुरुवार की रात अज्ञात चोरों ने दुकान के शटर का ताला तोड़ नगद सहित दस्तावेज चोरी कर ली। दुकान संचालक की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जानकारी अनुसार दुकान संचालक सुधीर अग्रवाल शुक्रवार की सुबह 8 बजे दुकान खोलने पहुंचे तो शटर का ताला टूटा हुआ था। दुकान के अंदर का सामान बिखरा पड़ा था। वहीं दुकान के गल्ले में रखा एक हजार रूपए नगद, जन्म प्रमाण पत्र,आधार कार्ड,खाद बीज लाइसेंस, पेन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, कार की चाबी, डायवर्सन कागजात सहित अन्य जरूरी दस्तावेज नहीं थे। वहीं चोरों द्वारा कार चोरी करने का भी प्रयास किया गया। लेकिन वाहन के पीछे कार और बगल में पिकअप वाहन खड़े होने के कारण चोरी करने में असफल रहे और कार को धक्का मार रैंप से सटा दिया। यह वारदात लखनपुर थाना के सामने की है।

बाइक सवारों का रास्ता रोककर मोबाइल और 6 हजार रुपये की लूट

- संवाददाता -

अंबिकापुर,04 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

बाइक सवार युवकों का रास्ता रोककर आधा दर्जन युवकों द्वारा गले में चाकू अड़ाकर मारपीट करने, छह हजार रुपये नकद व मोबाइल लूटने का मामला सामने आया है। पीड़ित युवक की रिपोर्ट पर मणिपुर पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक मणिपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सुंदरपुर लोधिमा का गंगा मुंडा पिता मसत राम बीते दिवस गांव का ही डीजे लेकर ग्राम मुड़ेसा, सुखरी गया था। इस दौरान उसकी मां ने डीजे लगाकर जल्दी घर आ जाने के लिए कहा था। गंगा मुंडा डीजे लगाने के बाद रात लगभग पौने 11 बजे बाइक से ग्राम मुड़ेसा के अंकित के साथ वापस घर लौट रहा था, इसी दौरान बटुआमुड़ा ग्राम में आधा दर्जन लोगों ने इनका रास्ता रोक लिया और गला में चाकू अड़ाकर मारपीट करते हुए जेब में रखे मोबाइल और छह हजार रुपये नगद लूट लिए। इनके चंगुल से निकलकर दोनों बाइक को मौके पर छोड़कर खेत के रास्ते से भागते ग्राम मुड़ेसा पहुंचे और घटना की जानकारी गांव के लोगों को दी। इसके बाद गांव के अन्य लोगों के साथ वे घटनास्थल पहुंचे तो मोटरसाइकिल वहीं थी, जिसे आरोपियों ने तोडफ़ोड़ करके क्षतिग्रस्त कर दिया था। मारपीट में अंकित को आंख में चोटें आई है।

कंपनी बाजार से ग्रामीण का मोपेड चोरी

- संवाददाता -

अंबिकापुर,04 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

शहर के कंपनी बाजार आए सुंदरगंज लटोरी निवासी रामधनी राम का टीवीएस मोपेड अज्ञात लोगों ने चोरी कर लिया। ग्रामीण बीते दिवस मोपेड से मंडी बाजार दोपहर लगभग 12 बजे आया था। शाम को 6 बजे मोपेड गायब देखकर वह आसपास खोजबीन किया, लेकिन कुछ पता नहीं चला। घटना की जानकारी कोतवाली थाना पुलिस को दी गई है, जिस पर पुलिस चोरों के तलाश में लगी है।

थाने से चंद कदम दूर चोरो ने दुकान का तोड़ा ताला

» नगदी सहित जरूरी दस्तावेज ले उड़े चोर

- संवाददाता -

लखनपुर,04 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाने के सामने स्तिथ लक्ष्य ट्रेडर्स में बीती रात अज्ञात चोरों ने दुकान के सेटर का ताला तोड़ नगद राशि सहित दस्तावेजो की चोरी करने का मामला सामने आया है। दुकान संचालक ने चोरी की सूचना पुलिस को दी है। मिली जानकारी के मुताबिक शुक्रवार की सुबह लगभग 8:30 दुकान संचालक सुधीर अग्रवाल उर्फ बिट्टू दुकान खोलने पहुंचे तो देखा की सेटर का ताला टूटा हुआ है और दुकान के अंदर का सामान बिखरा पड़ा है। वहीं दुकान के गल्ले में रखे 1000हजार रूपए नगद राशी,जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, खाद बीज लाइसेंस, पेन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, कार की चाबी, डायवर्सन कागजात सहित अन्य जरूरी दस्तावेजों को चोर अपने साथ ले गए। यही नहीं चोरों ने कार चोरी करने का प्रयास किया परंतु के पीछे कार और बगल में पिकअप

वाहन खड़े होने के कारण चोरी करने में असफल रहे और कार को धक्का मार रैंप से सटा दिया। विदित हो कि विगत दिनों पुर्व भी लखनपुर तहसील कार्यालय के सामने से अधिवक्ता की स्कूटी चोरी तथा श्रीमद् भागवत कथा में महिलाओं के गले से मंगलसूत्र और सोने की चेन की चोरी होने से क्षेत्र के लोगों में भय का माहौल व्याप्त है। कहीं ना कहीं पुलिस के कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े होना शुरू हो गया जो आज जन चर्चा का विषय बना हुआ है। जिस प्रकार से लखनपुर थाने के सामने दुकान में चोरी की घटना हुई है ऐसा प्रतीत होता है कि लखनपुर क्षेत्र में चोरो को पुलिस का भय नही है। वहीं चोर धड़ल्ले से चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं और पुलिस गहरी नींद में सो रही है। अब देखने वाली बात होगी कि कब तक लखनपुर पुलिस क्षेत्र में हो रही चोरी की घटनाओ पर अंकुश लगा पाती है या फिर क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार जारी रहेगी। दुकान संचालक सुधीर अग्रवाल ने दुकान में हुई चोरी के संबंध में सूचना लखनपुर पुलिस को दी है पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पीडीएस संचालक गुणवत्ताहीन ई पोस मशीन लेकर पहुंचे तहसील कार्यालय

- संवाददाता -

लखनपुर,04 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

पूरे प्रदेश में शासकीय राशन दुकानदार एवं विक्रेता कल्याण संघ अपनी समस्याओं और मांगो को लेकर एक अक्टूबर से धरने पर बैठे हैं। इसी कड़ी में सरगुजा जिले के लखनपुर उदयपुर शासकीय राशन दुकानदार एवं विक्रेता कल्याण संघ अपनी समस्याओं और मांगों को लेकर 3 अक्टूबर से हड़ताल शुरू की है।साथ ही पीडीएस संचालकों ने गुरुवार को सरगुजा कलेक्टर विलास भोस्कर के नाम एसडीएम वंश राम नेताम को ज्ञापन भी सौंपा था। 4 अक्टूबर दिन शुक्रवार को पीडीएस संचालक तहसील कार्यालय के पास धरना स्थल पर पर पहुंचे और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की इसके बाद सामूहिक रूप से पीडीएस संचालक गुणवत्ता हीन ई पोस मशीन लेकर लखनपुर तहसील कार्यालय पहुंचे और ई-पोस मशीन को वापस किया जा रहा था परंतु अधिकारियों के समझाइस के बाद पीडीएस संचालक ई पोस मशीन लेकर वापस धरना स्थल पर पहुंचे। साथ ही उन्होंने कहा कि जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होती है तब तक यह हड़ताल जारी रहेगा। माह की चार दीन बिट जाने के बाद भी शासकीय उचित मूलय दुकानों में राशन कार्ड हितग्राहियों को राशन वितरण नहीं होने से अनेकों प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वहीं अपनी मांगों को लेकर पीडीएस दुकान संचालक अनिश्चितकालीन करने पर बैठे हुए हैं।

श्री श्याम गौशाला का विधायक राजेश अग्रवाल ने किया भूमि पूजन

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 04 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

शारदीय नवरात्रि के पावन बेला में अम्बिकापुर विधायक विधायक राजेश अग्रवाल ने अपने विधानसभा क्षेत्र के उदयपुर विकासखंड के ग्राम दावा में शुक्रवार को श्री श्याम गौशाला का विधि विधान से पूजा अर्चना कर भूमि पूजन किया है।

इसी क्रम में उदयपुर और लखनपुर सहित आसपास के गौ सेवा प्रति आस्था रखने वाले दानदाता के द्वारा श्री श्याम गौशाला में सेड निर्माण के लिए दान स्वरूप धनराशि की घोषणा की गई जिनको विधायक राजेश अग्रवाल द्वारा सभी दान दाता को तिलक लगाकर सम्मानित किया गया और अंत में सभी से अपील की गई की श्री श्याम गौशाला के संरक्षण और उत्थान के लिए हम सबकी भुमिका महत्पूर्ण है जिसके लिऐ हम सबको श्री श्याम गौशाला का देख -रेख व आर्थिक एवं शारीरिक रूप से सहयोग करने के लिए बढ़ चढ़ कर आगे आना चाहिए तथा मेरे द्वारा हर संभव मदद किया जाएगा।

पत्रकार सुरक्षा कानून लागु कराने 35 से अधिक पत्रकार संगठनों ने मंच पर दिखाई एकजुटता... सरकार को चेतावनी

पत्रकार संकल्प महासभा में पूरे प्रदेश से शामिल हुए हजारों पत्रकार

जनसंपर्क मंत्री को ज्ञापन सौंपने सीएम हाउस पहुंची पत्रकारों की रैली

पत्रकारों पर हो रहे अत्याचार और पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की माँग

प्रतिनिधि मण्डल ने राजभवन में राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

पत्रकारों पर बढ़ते हमले और सुरक्षा कानून की मांग

प्रदेश में लगातार पत्रकारों पर हो रहे हमले, पुलिस और माफियाओं की मिलीभगत के चलते पत्रकारों का उत्पीड़न चरम पर है। इस महासभा में वक्ताओं ने अधिकारियों और माफियाओं के खिलाफ सच्चाई उजागर करने वाले पत्रकारों पर हो रहे हमलों और उनकी सुरक्षा की अनदेखी पर सरकार की कड़ी आलोचना की। पत्रकारों ने बताया कि कैसे उन्हें झूठे आरोपों में फंसाकर जेल भेजने की साजिशें रची जा रही हैं। पिछले हफ्ते कोंटा और कांकेर के पत्रकारों को बेवजह फंसाने की घटनाएं इसका ताजा उदाहरण हैं। पत्रकार संकल्प महासभा में मौजूद वरिष्ठ पत्रकारों ने मंच से कहा कि प्रदेश की किसी भी सरकार ने पत्रकारों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम नहीं उठाए। मंच पर बोलते हुए वरिष्ठ पत्रकार गिरीश पंकज ने प्रदेश के मूर्धन्य पत्रकारों का स्मरण किया और मौजूदा हालात पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, ÷पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहलाते हैं, लेकिन आज सबसे ज्यादा असुरक्षित भी यही वर्ग है।

महासभा में पीड़ित पत्रकारों की आवाज

पत्रकार सुरक्षा आंदोलन के अग्रणी नेता कमल शुक्ला ने पीड़ित पत्रकारों के अनुभव साझा करवाए। इस दौरान अंबिकापुर के पत्रकार जितेंद्र जायसवाल और कोंटा के बप्पी रॉय सहित अन्य पीड़ित पत्रकारों ने अपनी आपबीती सुनाई। उन्होंने बताया कि किस तरह उन्हें माफियाओं और भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ खबरें प्रकाशित करने पर साजिशन फंसाया गया और उन्हें जेल तक जाना पड़ा। सभा में यह भी बताया गया कि कांकेर के एक पत्रकार को स्थानीय सांसद से जुड़ी खबर प्रकाशित करने पर पुलिस और एनआईए द्वारा झूठे मामलों में फंसाने की कोशिश की गई। पीड़ित पत्रकारों ने एक स्वर में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की पुरजोर मांग की।

महासभा में पारित किए गए प्रस्ताव

महासभा में पत्रकारों के हित में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए, जिनमें ग्रामीण पत्रकारों को वेतन देने,चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने, बच्चों की शिक्षा में रियायत देने और छोटे पत्र-पत्रिकाओं को नियमित विज्ञापन देने की व्यवस्था शामिल है। इन प्रस्तावों के जरिए पत्रकारों के पेशेवर जीवन में सुधार लाने के लिए कदम उठाने पर जोर दिया गया।

पत्रकारों की एकजुटता और आगे की राह

छत्तीसगढ़ में यह पहला अवसर था जब इतने बड़े पैमाने पर पत्रकार एक मंच पर एकत्रित हुए और बिना किसी नेता या अधिकारी का सम्मान किए, अपने मुद्दों पर गंभीर विचार-विमर्श किया। यह आयोजन पत्रकारों के लिए मील का पत्थर साबित हुआ,जिसमें उन्होंने सरकार को अपनी एकजुटता और सुरक्षा के प्रति संजीदा कदम उठाने की चेतावनी दी। अब देखने वाली बात यह है कि सरकार पत्रकारों की इस न्यायोचित मांग पर क्या कदम उठाती है और पत्रकार सुरक्षा कानून कब लागू होता है।

-संवाददाता-
रायपुर,04 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

02 अक्टूबर 2024 गाँधी जयंती के दिन राजधानी के गॉस मेमोरियल ग्राउंड में आयोजित पत्रकार संकल्प महासभा का कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। पत्रकारों के इस महाकुम्भ में प्रदेश के 35 से भी ज्यादा पत्रकार संगठनों ने हिस्सा लिया और पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने सहित पत्रकारों के हितों से सम्बंधित अन्य मांगों को लेकर राजभवन पहुँचे और पहले राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा, फिर रैली की शक्ल में जनसंपर्क मंत्री/मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपने पहुंचे पत्रकार।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में अधिकारियों के भ्रष्टाचार, खनिज, भू माफिया के बारे में सच उजागर करने वाले पत्रकारों पर हमले लगातार होते आ रहे हैं। बदसलूकी, मारपीट और झूठे मामलों में फँसा कर जेल भेजने की साजिश अनवरत जारी है। पिछले दिनों कोंटा थानेदार ने रेत माफिया का सच उजागर करने वाले पत्रकारों को गांजा तस्करी के मामले में फंसा कर आंध्र प्रदेश में प्रकरण बनवा कर जेल भिजवाने की साजिश रची, बाद में होटल के सी सी टीवी के प्रमाण को डिलीट करने के आरोप में उस थानेदार को जेल भेजा गया लेकिन पत्रकारों को बेवजह जेल यात्रा की पीड़ा झेलनी पड़ी। इसी हफ्ते कांकेर के एक पत्रकार को वर्तमान सांसद से जुड़ी सच्ची खबरों को छापने, प्रसारित करने पर झूठे मामलों में फंसाने की एनआईए एवम पुलिस द्वारा कोशिश की गई। छत्तीसगढ़ में पूर्व में कांग्रेस की सरकार थी और अब भाजपा की सरकार है, परन्तु पत्रकारों की सुरक्षा और हक की चिंता किसी भी सरकार को नहीं है। केवल भाषणों में ही चीख-चीख कर पत्रकारों को लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ कहा जाता है और उनकी सुरक्षा का ढिंढोरा पीटा जाता है।

सत्य और न्याय की लड़ाई लड़ने वाले पत्रकारों के ऊपर निरंतर अत्याचार हो रहे...

वास्तव में देखा जाय तो सत्य और न्याय की लड़ाई लड़ने वाले पत्रकारों के ऊपर निरंतर अत्याचार हो रहे हैं, इन्हीं सब बातों को लेकर आज पूरे प्रदेश के हजारों कलमकारों ने रायपुर के ग्रास मेमोरियल में एक मंच पर एकत्रित होकर महासभा का रूप दिया। मंच पर पीड़ित पत्रकारों ने अपनी-अपनी आपबीती साझा की और मंचस्थ वरिष्ठ पत्रकारों ने प्रदेश में पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर करते हुए सरकार से तत्काल पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की माँग की और पत्रकारों को शासन की ओर से विभिन्न सुविधाएं देने का प्रस्ताव रखा।

मौन रखने का आह्वान

इससे पहले वरिष्ठ पत्रकार गिरीश पंकज ने माधवराव सप्रे से शुरू हुई पत्रकारों की सुदीर्घ परंपरा के मूर्धन्य पत्रकारों चंदूलाल चंद्राकर, रम्मू श्रीवास्तव,मायाराम सुरजन,ललित सुरजन,रमेश नैय्यर,मधुकर खेर, कुमार साहू आदि का स्मरण किया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे शरद श्रीवास्तव ने स्व0 साई रेड्डी,नेमीचंद जैन,सुशील शर्मा एवं अन्य के लिए मौन रखने का आवाहन किया। पीड़ित पत्रकारों के बारे में सत्र का संचालन पत्रकार सुरक्षा आंदोलन की शुरुआत करने वाले वरिष्ठ पत्रकार कमल शुक्ला ने किया। उन्होंने प्रभात सिंह, संतोष यादव, सोमारू जैसे पत्रकारों पर हुए जुल्म को याद करते हुए अंबिकापुर के पीड़ित और वर्तमान में फर्जी प्रकरणों के कारण जिला बदर पत्रकार जितेंद्र जायसवाल को अपनी व्यथा सुनाने आमंत्रित किया, इससे बाद कोंटा के पत्रकार बप्पी रॉय और 3 साथियों ने अपनी बात रखी। मनोज पांडे, अविनाश सिंह, विनोद नेताम, सुनील यादव, सेवक दास दीवान, किरीट ठक्कर, सतीश यादव, दिनेश सोनी तथा इसी तरह अन्य पीड़ित पत्रकारों ने अपनी बाते रखी। अंत में पिछ्ली सरकार में बंदी बनाए गए सुनील नामदेव ने पत्रकारों को संबोधित किया। पत्रकारों के उद्बोधन पश्चात् प्रतिनिधि मंडल छत्तीसगढ़ सरकार से पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने सहित अन्य मांग को लेकर राजभवन पहुँचे और राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दरमियान पीड़ित पत्रकारों ने भी सामूहिक रूप से ज्ञापन सौंपते हुए अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा की मांग की।

छत्तीसगढ़ के इतिहास में पत्रकारों का महाकुम्भ दिखा

पत्रकार संकल्प महासभा छत्तीसगढ़ के इतिहास में पत्रकारों का ऐसा प्रथम महाकुम्भ साबित हुआ जिसमें छत्तीसगढ़ के समस्त पत्रकारों की एकजुटता दिखाई दी। देश में पहली बार ऐसा इतिहास रचा जा रहा था जिसमें 35 से अधिक पत्रकार संगठन के साथी, 25 से अधिक प्रेस क्लब और जिला पत्रकार संघ के साथी अपनी अपनी सजग भागीदारी से पत्रकारों के मुद्दों पर गंभीर विचार विमर्श करते रहे, ग्रामीण पत्रकारों को वेतन, सम्मान निधि के लिए अधिमान्यता की शर्त हटाने, पत्रकारों के लिए मकान तथा प्लाट, चिकित्सा सुविधा, बच्चों के लिए स्कूल फीस में रियायत, छोटे पत्र पत्रिकाओं को नियमित विज्ञापन की व्यवस्था जैसे उपयोगी प्रस्ताव महासम्मेलन में पास किए गए।ये छत्तीसगढ़ में पहला ऐसा सम्मेलन भी था जिसमें किसी नेता, अधिकारी या पत्रकारों का सम्मान, स्मृति चिन्ह वगेरह करने की बजाय पत्रकार और पत्रकारिता से जुड़े ज़रूरी मुद्दों को तरजीह दी गई। सभी पीड़ित पत्रकारों ने अपनी आवाज बुलंद करते हुए मंच के माध्यम से सरकार तक अपनी बात पहुंचाई और न्याय की गुहार लगाई। अब देखना यह है कि चौथे स्तम्भ कहे जाने वाले पत्रकारों की इस जायज और बुलंद आवाज पर शासन कब नींद से जागेगी?

पत्रकार संगठनों के प्रमुख हुए शामिल

इस अवसर पर रायपुर सहित संपूर्ण छत्तीसगढ़ के पत्रकार शामिल हुए जिसमें प्रमुख रूप से सुधीर आज़ाद तंबोली, स्टेट वर्किंग जर्नलिस्ट्स यूनियन छत्तीसगढ (आईजेयु) प्रदेश अध्यक्ष पी सी रथ, महासचिव विरेंद्र कुमार शर्मा, कमल शुक्ला, व्यास पाठक, प्रेस एंड मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन से मनोज पांडे, कार्यकरी अध्यक्ष जितेन्द्र जायसवाल, शिवशंकर सोनपीपरे, अजीत शर्मा (पीसीडब्ल्युजे) छत्तीसगढ़िया पत्रकार महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष गजेन्द्र रथ वर्मा, अमित गौतम, सुनिल यादव, सेवक दास दीवान,अमिताभ पॉल, गोविंद शर्मा,राज गोस्वामी,आनंद राम पत्रकारश्री,महेश प्रशाद, आसिफ इक़बाल,बी डी निजामी, अशोक तोमर,विरेंद्र कुमार शर्मा,शकील लाला दानी,महेश आचार्य,तिलका साहू, दिनेश नामदेव, दिनेश सोनी, राहुल गोस्वामी,प्रवीण खरे,हरिमोहन तिवारी, गुलाब दीवान, ललित यादव, आदित्य गुप्ता, चोवाराम वर्मा, मो शरीफ खान, उचित शर्मा, रेणु नंदी, पूर्व प्रेस क्लब अध्यक्ष के के शर्मा तथा प्रकाश शर्मा आदि शामिल हुए। महासम्मेलन को लिखित, मौखिक समर्थन देने शामिल होने वाले संस्थाओं में दक्षिण बस्तर पत्रकार संघ, जीपीएम प्रेस क्लब, रायपुर प्रेस क्लब, बेमेतरा, मुंगेली प्रेस क्लब, कोंडागांव प्रेस क्लब, महासमुंद प्रेस क्लब, कुम्हारी प्रेस क्लब, दुर्ग प्रेस क्लब, कांकेर जिला पत्रकार संघ, जगदलपुर बस्तर जिला पत्रकार संघ, पत्रकार संघ, छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ एवं अन्य कई संस्थाएं शामिल थीं। कार्यक्रम की योजना बना कर परस्पर सहभागिता तथा योगदान से कार्यक्रम को आयोजित करने वाले अग्रगामी संगठन इंडियन जर्नलिस्ट्स यूनियन, इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स, छत्तीसगढ श्रमजीवी पत्रकार संघ (पंजीयन क्रमांक 617), पत्रकार कल्याण महासंघ, पत्रकार महासंघ छत्तीसगढ, स्टेट वर्किंग जर्नलिस्ट्स यूनियन छत्तीसगढ़, छत्तीसगढ जर्नलिस्ट वेलफेयर यूनियन रायपुर, छत्तीसगढ जर्नलिस्ट यूनियन, छत्तीसगढ सक्रीय पत्रकार संघ, छत्तीसगढ प्रेस वेलफेयर एसोसिएशन, अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति, प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट (पीसीडब्ल्युजे), आदर्श पत्रकार संघ, सद्भावना पत्रकार संघ, छत्तीसगढ़ प्रेस क्लब, छत्तीसगढ़िया पत्रकार महासंघ, भारतीय पत्रकार संघ, द जर्नलिस्ट एसोसिएशन, मीडिया पत्रकार मंच, आइडियल जर्नलिस्ट एसोसिएशन, प्रिंट मीडिया जर्नलिस्ट एसोसिएशन, अखिल भारतीय पत्रकार एवं संपादक एसोसिएशन, पत्रकार प्रेस महासंघ, प्रदेश पत्रकार यूनियन, छत्तीसगढ़ मीडिया एसोसिएशन, राष्ट्रीय पत्रकार मोर्चा, पत्रकार जनकल्याण समिति शामिल थे। कुछ अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधि 2 अक्टूबर को कार्यक्रम स्थल पर आ कर समर्थन व्यक्त करते देखे गए।

राजभवन और मुख्यमंत्री आवास तक रैली

महासभा के बाद पत्रकारों ने रैली निकाली और राजभवन पहुँचकर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। इसके बाद पत्रकारों का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री आवास पहुंचा और जनसंपर्क मंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए पत्रकारों की सुरक्षा और उनके हितों की रक्षा करने की अपील की। पत्रकारों ने मांग की कि सरकार तुरंत पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करे और पत्रकारों को विभिन्न सरकारी सुविधाएं प्रदान की जाएं।

बालको ने राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य को दिया बढ़ावा

-संवाददाता-

कोरबा,04 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने राष्ट्रीय पोषण माह 2024 के अवसर पर समुदाय में बच्चों, किशोरों और माताओं के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किये। इस साल की थीम 'सभी के लिए पौष्टिक आहार' के अनुरूप संतुलित एवं पोषणयुक्त आहार के महत्व को सुनिश्चित करते हुए पौष्टिक विकल्प को बढ़ावा दिया गया। जिला स्वास्थ्य विभाग और विभिन्न सामुदायिक भागीदारों के सहयोग से पोषण जागरूकता अभियान को संचालित किया गया। पोषण माह अभियान नंद घर, आधुनिक आंगनवाड़ी केंद्रों में पोषण और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने पर केंद्रित था। विशेषज्ञों के नेतृत्व में पोषण जागरूकता सत्र और स्थानीय सामग्री का उपयोग करके स्वस्थ खान-पान को प्रोत्साहित करने के लिए सामुदायिक रेसिपी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रेसिपी प्रशिक्षण में माताओं ने सरकार द्वारा प्रदान किए गए टेक होम राशन (टीएचआर) का उपयोग करके पौष्टिक भोजन तैयार करना सीखा। इसके साथ ही स्वास्थ्य शिविर में कुपोषण और एनीमिया को रोकने के लिए माताओं एवं बच्चों की जांच की गई। समय पर एनीमिया लक्षण की जानकारी से उचित उपचार संभव हुआ। सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए 'पोषण की बातें, पुरुषों के साथ' नामक पहल की शुरूआत की गई। इसमें घर के पुरुषों को बच्चों और परिवार के स्वास्थ्य तथा पोषण महत्व पर जानकारी प्रदान की गई।

समापन समारोह में सामूहिक प्रयास का जश्न मनाया गया। समुदाय में रोल मॉडल के रूप में काम कर रही माताओं को चैंपियन माता के रूप में सम्मानित किया गया। गर्भवती दम्पति के विशेष प्रशिक्षण सत्र में माता-पिता दोनों को अपने बच्चे के समग्र विकास में समान रूप से योगदान देने तथा गर्भावस्था और बचपन के दौरान आपसी सहयोग पर मार्गदर्शन दी गई। कंपनी ने अपने प्रयासों की प्रतिबद्धता को दिखाते हुए 'पोषण टाक्स' वीडियो की एक सीरीज शुरू की, जिसमें पोषण संबंधी प्रमुख विषयों को दिखाया जाएगा। अनिल अग्रवाल फाउंडेशन के सहयोग से नंद घर में मिलेट शेक वितरण अभियान का शुभारंभ हुआ। इसके साथ ही एक मासिक 'पोषण पत्रिका' का शुभारंभ किया गया जिसमें चैंपियन माताओं की कहानियाँ और व्यावहारिक, पौष्टिक व्यंजन की जानकारी दी गई। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि बालको का दृष्टिकोण एल्यूमिनियम उत्पादन से आगे सामुदायिक भलाई तक फैला हुआ है, कंपनी सभी के लिए उज्जवल एवं स्वस्थ भविष्य को बढ़ावा देने के लिए कटिबद्ध है। हमारा प्रयास है कि हर बच्चा आगे बढ़े और हर मां को वह देखभाल मिले जिसकी वह हकदार है। पोषण माह के दौरान मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य का जश्न मनाना, स्वस्थ समुदायों के पोषण के प्रति हमारे प्रयासों को दर्शाता है। बालको प्रचालन के आसपास रहने वाले लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। महिला एवं बाल विकास विभाग, रायपुर के उप निदेशक श्री दिलदार सिंह मरावी ने सामुदायिक स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने में सरकार और उद्योग के बीच परस्पर सहयोग के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग में हम महिलाओं और बच्चों के पोषण स्वास्थ्य और सशक्तिकरण में सुधार के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। यह देखकर बहुत अच्छा लगता है कि बालको अपने परियोजना के माध्यम से ऐसे पहल को आगे बढ़ा रही हैं, जो पोषण जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर आधारित है।

6 जनपद स्तरीय आवास मेले तथा 41 सेक्टरों में संपन्न हुआ आवास चौपाल का कार्यक्रम

20 सेक्टरों में 7 अक्टूबर को आयोजित होंगे चौपाल, पीएम आवास अंतर्गत हो रहे है विभिन्न गतिविधियां, बढ़ चढ़कर ले रहे है हितग्राही भाग

-संवाददाता-

सूरजपुर,04 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)। शासन के निर्देशानुसार 2 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक योजनांतर्गत भूमि पूजन एवं गृह प्रवेश कार्यक्रम किए जाने के निर्देश प्राप्त है। जिसके परिपालन में कलेक्टर श्री रोहित व्यास व सीईओ जिला पंचायत श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू के मार्गदर्शन में मिशन मोड में रणनीति तैयार कर योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। उक्त मेले या चौपालों में सभी हितग्राहियों को योजना के बारे में विस्तार से अवगत कराया जा रहा है। हितग्राहियों को पंपलेट वितरित कर आवास का डायग्राम, लगने वाली सामग्रियों, तकनीकी जानकारियां व अन्य महत्वपूर्ण जानकारी के बारे में बताया जा रहा है। विगत वर्ष के ऐसे हितग्राही जिन्होंने कम समय में गुणवत्तापूर्ण आवास निर्माण कर लिए है उन्हें प्रमाण पत्र, चाबी व मिष्ठान देकर सम्मानित करते हुए गृह प्रवेश कराया जा रहा है। हाल ही में स्वीकृति प्राप्त हितग्राहियों के आवास का विधि विधान से भूमिपूजन व स्वीकृति पत्र प्रदाय करते हुए, जल्द आवास निर्माण हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके साथ ही मेले व चौपाल में आस पास के सप्लायर्स व मेसन को भी आमंत्रित करके हितग्राहियों के साथ समन्वय स्थापित कराई जा रही है। सभी जनपदों को मिलाकर अभी 20 सेक्टरों में चौपाल लगने शेष हैं जिनमे 7 अक्टूबर को शिविर आयोजित होने है। हितग्राहियों से अपील है अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर योजना के बारे में जाने, आवास की राशि आपकी है इससे आपको आवास निर्माण कराना है किसी के बहकावे में आकर दूसरे को राशि या अन्य कार्यों में खर्च करने की गलती ना करें। उक्त कार्यक्रमों में अधिकारी कर्मचारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में हितग्राही व ग्रामीणजन उपस्थित हो रहे है।

ग्राम केतका में निःशुल्क आयुष स्वास्थ्य शिविर का किया गया आयोजन

-संवाददाता-

सूरजपुर,04 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)। स्थानीय बाजार केतका में निःशुल्क आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में श्री राजपाल सिंह, उप सरपंच केतका,श्री दिलावर खान पंच एवं मोहन सिंह पंच के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर धनवंतरी के चित्र पर माल्यार्पण कर शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर में मुख्य रूप से वात रोग, उदार रोग, अर्श, शिरो रोग, हृदय रोग, मधुमेह, इत्यादि बीमारियों का निःशुल्क उपचार एवं दवा वितरण विशेषज्ञ चिकित्सक के द्वारा किया गया साथ ही शिविर में पैथोलॉजी ,शुगर ,बीपी जांच किया गया। शिविर में कुल मरीजों की संख्या 315 एवं शुगर व बीपी के 107 मरीजो को दवा वितरण किया गया साथ ही बीमारी के अनुसार मरीजो को योग एवं प्राणायाम करने की सलाह दी गई शिविर में चिकित्सा डॉक्टर कुलदीप द्विवेदी , डॉक्टर दिवाकर सिंह डॉक्टर ,प्रेम प्रकाश खालको ,श्री भूपेंद्र सिंह ल.टी,दाऊराम कंवर फार्मासिस्ट,श्री गौरी शंकर नेताम फार्मासिस्ट श्रीधंन साय और श्री राम औषधालय सहायक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

प्रारंभ हुआ बहुप्रतीक्षित सड़क कार्य,15 वर्षों बाद माँग हुई पूरी

-सवाददाता-

अनूपपुर (बिजुरी),04 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)। नगरपालिका अंतर्गत वार्ड क्रमांक 10 स्थित अलीनगर के वासियों द्वारा बीते लगभग 15 वर्षों से सड़क बनाने कि मांग जनप्रतिनिधि सहित नपा के अधिकारियों से किया जा रहा था। किन्तु अलीनगर वासियों कि मांग पर कभी भी ना तो वार्ड के पूर्व प्रतिनिधियों ने दिलचस्पी दिखाई और ना ही स्थानीय निकाय के जिम्मेदारों ने इसे गम्भीरता से लिया था। लिहाजा 15 वर्षों से ऊबड़-खाबड़,कीचड़ युक्त मार्ग पर चलने को विवश वार्डवासियों का दिन स्थानीय निकाय के जिम्मेदारों को कोसते ही गुजरता था।

नवगठित परिषद की मेहनत से खत्म हुई 15 वर्षों पुरानी समस्या

15 वर्षों के लम्बे अंतराल के बाद आखिरकार नपा बिजुरी के वर्तमान वार्ड प्रतिनिधि एवं परिषद द्वारा वार्डवासियों की समस्या पर गम्भीरता दिखाई गयी। मसलन नवगठित परिषद के कार्यकाल में उक्त मार्ग को प्रथम दृष्टया बैठक के दौरान एजेण्डे में शामिल करते हुए प्रस्ताव शासन-प्रशासन को भेजा गया। जहां से स्वीकृति पश्चात सभी आवश्यक नियम निर्देशों का पालन करते हुए निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया, जिससे वार्डवासी प्रफुल्लित हैं।

गुणवत्ता के साथ नई सड़क की सिंचाई का रखा जा रहा ख्याल

निर्माणाधीन सड़क नियम अनुरूप बनाने के साथ ही इसमें गुणवत्ता का भी विशेष ख्याल रखा जा रहा है। वार्ड प्रतिनिधि एवं ठेकेदार कि मानें तो सड़क निर्माण कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही नही बरती जा रही है। निर्माण कार्य शासकीय नियम अनुरूप होने के साथ इसकी गुणवत्ता एवं सिंचाई पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है जिससे सड़क अच्छी तरह से बनकर आगे लम्बे समय तक मजबूत रह सके। वहीं मौके पर वार्ड वासियों से पूंछ-पूंछकर उनके मंशानुरूप भी कार्य किया जा रहा है ताकि उनमें भी संतोष कि भावना बनी रहे।

ट्रैफिक नियम तोड़ने वालो पर हुई कार्रवाई

-संवाददाता-

कोरबा,04 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)। शारदिय नवरात्र पर्व की शुरुआत होते ही शहर मे ट्रैफिक सम्बंधित दबाव भी बढ़ने लगी है जिससे औद्योगिक नगर कोरबा के पावर हाउस रोड में वाहन चालकों की लापरवाही के कारण जाम लगने की समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। ट्रैफिक पुलिस ने शहर मे पेट्रोलिंग करने के साथ कई वाहनों पर कार्यवाही करते हुए पेनाल्टी की है । त्यौहार का सीजन शुरू होने के साथ शहरी क्षेत्र में ट्रैफिक का दबाव विभिन्न सडक़ों पर बढ़ गया है। पूजा सामग्री की खरीदी के साथ-साथ देवी दर्शन के लिए मंदिर और पूजा पंडाल की तरफ लोगों की पहुंच बराबर हो रही है। शाम के बाद इस प्रकार की स्थिति गंभीर हो जाते हैं और कोरबा की पावर हाउस सडक़ बाधित होती है। अपेक्षाकृत कम चौड़ाई वाले इस सडक़ पर पिछले वर्षों में डिवाइड लगाने की व्यवस्था नगर निगम के द्वारा की गई है। सडक़ के दोनों तरफ दुकानों के संचालन होने और सडक़ पर ही दुकान का सामान निकालने से लेकर उनके किनारे गाडियों को खड़े कर देने से जाम जैसी परिस्थितियों निर्मित हो रही हैं। ऐसे में जन सामान्य को परेशान होना पड़ रहा है। पुलिस अधीक्षक ने इस बारे में पहले ही बैठक लेने के साथ आवश्यक निर्देश दिए थे और अन्य स्थिति में कार्रवाई करने को कहा था। अभी भी इस रास्ते पर इस तरह की तस्वीर पैदा हो रही है इसलिए ट्रैफिक पुलिस ने पिछली रात यहां अभियान चलाया और चार पहिया वाहनो पर की कार्यवाही। पुलिस की ओर से बताया गया की विभिन्न क्षेत्रों में चेक प्वाइंट बनाए गए हैं और आवश्यक निगरानी की जा रही है। साथ ही कुसमुंडा कटघोरा के अलावा चापा मार्ग पर पुलिस ने चेकप्वाइंट बनाने के साथ यहां चार पहिया से लेकर भारी वाहनों के चालकों की जांच भी तेज की है। यहां पर एल्कोमीटर से चालकों की जांच की जा रही है कि वह कहीं नशे की स्थिति में गाड़ी ड्राइव तो नहीं कर रहे हैं। इस प्रकार के मामले में वाहन को जप्त करने के साथ प्रकरण को कोर्ट में भेजने का प्रावधान है।

जनपद स्तरीय आवास मेला का आयोजन कंदरई में हुआ संपन्न

-संवाददाता-

सूरजपुर,04 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार जिले के सभी ग्राम पंचायतों में आवास मेले का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री रोहित व्यास एवं सीईओ जिला पंचायत श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत सूरजपुर अंतर्गत 2 अक्टूबर से ही आवास चौपाल के माध्यम से हितग्राहियों के उन्मुखीकरण सह योजना के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है। इसी संदर्भ में आज जनपद स्तरीय आवास मेले का आयोजन ग्राम पंचायत कंदरई में किया गया। जिसमें हितग्राहियों को योजना की जानकारी देने के साथ साथ वित्तीय वर्ष 2022-23 के निर्मित आवासों का गृह प्रवेश कराया गया, नए लक्ष्य 2024-25 के हितग्राहियों के आवास निर्माण शुरू करने करने के साथ भूमिपूजन का कार्य किया गया, अल्प अवधि में आवास पूर्ण करने वाले हितग्राही को पूर्णता प्रमाण पत्र वितरित किए गए इत्यादि। हितग्राहियों को समझाया गया कि आपको जो राशि प्राप्त हुई है वो आवास निर्माण के लिए है और आपका है। किसी के बहकावे में आकर किसी को राशि देने और अन्य कार्यों में खर्च करने से बचे। कार्यक्रम से सभी ग्राम पंचायतों के सचिव, सरपंच, जनप्रतिनिधित तथा आवास समन्वयक श्री सुजीत पांडे, तकनीकी सहायक श्री आशीष यादव व बड़ी संख्या में आवास के हितग्राही और ग्रामीणजन उपस्थित रहें।

ग्राम पंचायत छिंदिया में विधायक द्वारा आवास बनाने हेतु हितग्राहियों को किया गया उत्साहित

-संवाददाता-

सूरजपुर,04 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)। कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशानुसार व मुख्यकार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू के मार्गदर्शन में विकासखंड रामानुजनगर के समस्त ग्राम पंचायत में चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। ग्राम पंचायत छिंदिया में विधायक श्री भूलन सिंह मरावी के द्वारा आवास चौपाल का निरीक्षण किया गया एवं हितग्राहियों को आवास बनाने हेतु उत्साहित किया गया

न्यायालय तहसीलदार,अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कोमल राम राजवाड़े आ0 गंगा राम राजवाड़े निवासी चठिरमा थाना गांधीनगर तहसील अम्बिकापुर ने कराया है कि आवेदक के पिता गंगाराम राजवाड़े आ0 सपुन राजवाड़े की दिनांक 09/10/2014 को स्थान निवास में हुई है।

आवेदक के मृत्यु उपरांत मृत्यु का पंजीयक नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 25/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

सील

तहसीलदार
अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार,अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कोमल राम राजवाड़े आ0 गंगा राम राजवाड़े निवासी चठिरमा थाना गांधनगर तहसील अम्बिकापुर ने कराया है कि आवेदक के माता त्रिवेणी बाई पति गंगा राम राजवाड़े की दिनांक 16/06/2024 को स्थान निवास में हुई है।

आवेदक के मृत्यु उपरांत मृत्यु का पंजीयक नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 25/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

सील

तहसीलदार
अंबिकापुर

न्यायालय नज़ूल अधिकारी, अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा

रा.प्र.क्र.-2024050212000/अ-6/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण पूर्णेन्द्र नाथ मुखर्जी आ0स्व0 देवेन्द्रनाथ मुखर्जी, अर्चना मुखर्जी आ0 स्व0 देवेन्द्र नाथ मुखर्जी, निवासी प्राईमरी स्कूल के पास, मोहल्ला-शीतला वार्ड सत्तीपारा, अम्बिकापुर जिला सरगुजा के द्वारा माननीय पंचम अपर जिला न्यायाधीश महोदय, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा के व्य0अपी0क्र0 34-ए/2020 पूर्णेन्द्र नाथ मुखर्जी वगैरह प्रति दिनेन्द्र नाथ मुखर्जी में पारित निर्णय एवं आज्ञप्ति दिनांक 31/1/2023 के पालन में सत्तीपारा स्थित भूमि खसरा नम्बर 3382, रकबा 0.73 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने बावत निर्णय दिनांक 31/01/2023 की छायाप्रति, मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109, 110 छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तोअपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 18/10/2024 तक न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 24/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील

नज़ूल अधिकारी
,अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2023-24

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक इन्द्रकृत सिंह पिता कामता प्रसाद सिंह जाति कंवर निवासी बरगंवा तहसील दरिमा जिला-सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम-अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा, छ0ग0 खसरा नंबर 4361/45 रकबा 0.012 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, सेटलमेन्ट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अततएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि 26/10/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202410020700009

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः-
राजस्व सन्ः-2024-25
नमनाकला प.ह.नं.00020(हे.)
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-कन्दनी भगत,
अनावेदक पक्षकार-छ0ग0 शासन

ईश्तहार

आवेदक कन्दनी भगत पति धीरमन राम भगत निवासी टाटीडांड तहसील कासाबेल जिला जशपुर छ0ग0 के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित भूमि खसरा नंबर 96/5, 107/1 रकबा 0.131, 0.015 हे0 भूमि के द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 25/10/2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/10/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील

तहसीलदार
अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0..../अ-20(3)/2023-24

-:: ईश्तहार ::-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सूरज ताम्रकर पिता हीरालाल ताम्रकर जाति ठठेरा निवासी इंदिरा गांधी वार्ड 17 केदारपुर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला नवापारा नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर 01 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2/6 रकबा 15.39 वर्गमीटर(166 वर्गफीट) पर निर्मित दुकान का रूपए-3,00,000-00 में अनावेदक नितेश निगम पिता राजेन्द्र निगम जाति कायस्थ निवासी शिवधारी कालोनी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0 के पास विक्रय करने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र मय दस्तावेज मेंटनेन्स खसरा की प्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 21-10-2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 30-09-2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

-:: ईश्तहार ::-

रा0प्र0क्रं0..../अ-2/2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पूनम दिवान पत्नी विवेक कुमार सिंह आ0तेजनाथ सिंह जाति कंवर निवासी बरटिकरा तहसील दरिमा जिला सरगुजा(छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम फुदुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा(छ0ग0) खसरा नंबर 68/18 रकबा 0.040 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण-पत्र, ले-आऊट, रजिस्ट्री की प्रति आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है,जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निर्धारित सुनवाई तिथि 19/10/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

अनुविभागीय अधिकारी(रा)
अम्बिकापुर

दुबई स्थित दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारतीय महिला टीम का मुकाबला न्यूजीलैंड से

» दुबई में इस खास मिशन पर उतरेगी महिला टीम

नई दिल्ली,04 अक्टूबर 2024। युवा महिला टी 20 वर्ल्ड कप 2024 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम और न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेट टीम के बीच मुकाबला खेला जाना है। यह मुकाबला भारतीय क्रिकेट और महिला टीम के लिए बेहद खास माना जा रहा है। दरअसल इस मुकाबले का आयोजन दुबई स्थित दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में किया जाएगा। भारत की महिला टीम पहली बार इस स्टेडियम में कोई मुकाबला खेलने जा रही है। दुबई का यह स्टेडियम काफी ऐतिहासिक रहा है। इस स्टेडियम में कई बड़े टूर्नामेंट खेले जा चुके हैं और भारत जैसी एक बड़ी टीम पहली बार इस वेन्यू पर खेलेगी, यह एक हैरान करने वाली बात है।

टीम इंडिया के सामने बड़ी चुनौती

भारतीय महिला टीम दुबई के कंडीशन से पूरी तरह से नई है। ऐसे में टीम इंडिया के सामने वर्ल्ड कप में अच्छा प्रदर्शन करना एक बड़ी चुनौती होने वाली है। टीम इंडिया ने कभी भी टी 20 वर्ल्ड कप का खिताब नहीं जीता है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में खेल रही भारतीय महिला टीम इस बार वर्ल्ड कप जीतने के इरादे के साथ खेल रही है। भारतीय टीम से इस बार फैंस को काफी ज्यादा उम्मीदें इसलिए भी है क्योंकि भारतीय मेंस क्रिकेट टीम ने इसी साल टी 20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ खराब है रिकॉर्ड

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय महिला टीम का रिकॉर्ड भी बेहद खराब है। टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आज तक कुल 13 टी 20 मैच खेले हैं। जहां टीम इंडिया ने सिर्फ 4 मैचों में ही जीत हासिल की है। वहीं न्यूजीलैंड ने 9 मैच जीते हैं। टीम इंडिया ने हालांकि साल 2022 के बाद से न्यूजीलैंड के खिलाफ एक भी टी 20 मैच नहीं खेला है। यह उसके बाद पहला मौका है जब दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। ऐसे में टीम इंडिया न्यूजीलैंड को हल्के में लेने की भूल नहीं करेगी।

महिला टी 20 वर्ल्ड कप के लिए दोनों टीमों का स्क्वायड

भारतः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष, यास्तिका भाटिया, पूजा वस्त्राकर, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, दयालन हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, सजना सजीवन

न्यूजीलैंडः सोफी डिवाइन (कप्तान), सूजी बेट्स, ईडन कार्सन, इजी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रूक हॉलिडे, फ्रान जोनास, लेघ कास्पेरेक, मेली केर, जेस केर, रोजमेरी मैयर, मौली पेनफोल्ड, जॉर्जिया प्लिमर, हन्ना रोवे, ली ताहुहु

संक्षिप्त खेल की खबरें

फीफा का इजरायल को निलंबित करने से इनकार

» फलस्तीन के आरोंपों की जांच के आदेश दिया...

इजरायल,04 अक्टूबर 2024। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने यहां आयोजित अपनी शीर्ष परिषद की बैठक में इजरायली फुटबॉल महासंघ को निलंबित नहीं किया, लेकिन फलस्तीन के अधिकारियों द्वारा लगाए गए कथित भेदभाव के आरोपों की अनुशासनात्मक जांच के आदेश दिए। फीफा ने परिषद की बैठक के बाद कहा कि उसका एक सीनियर पैनल फलस्तीन के क्षेत्र में स्थित इजरायली फुटबॉल टीमों की इजरायली प्रतियोगिताओं में भागीदारी की जांच करेगा।

मैन यूनाइटेड और पोर्टो के बीच मुकाबला 3-3 से ड्रॉ, टोटेनहम की जीत

नई दिल्ली,04 अक्टूबर 2024। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने पोर्टो के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में आखिरी समय में एक अंक बचाया, टोटेनहम ने यूईएफए यूरोपा लीग मैचडे 2 में दो में से दो जीत दर्ज की।
हैरी मैगुएर के स्टॉपेज-टाइम हैडर ने पोर्टो के साथ एक रोमांचक मुकाबले में दस खिलाडि़यों वाले यूनाइटेड के लिए एक अंक बचाया।

शारजाह में स्पिन चुनौती का सामना करने ऑस्ट्रेलिया की टीम में लिचफील्ड की वापसी की उम्मीद

नई दिल्ली,04 अक्टूबर 2024। युवा बल्लेबाज फोबे लिचफील्ड, जो कमर दर्द के कारण दोनों अभ्यास मैचों से बाहर रहीं के शनिवार को शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के महिला टी 20 विश्व कप के पहले मैच के लिए फिट होने की उम्मीद है।
क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू के अनुसार,21 वर्षीय लिचफील्ड ने अपनी टीम की साथियों के साथ प्रशिक्षण लिया और चयन के लिए उपलब्ध होने की राह पर हैं।लिचफील्ड ने कहा, अभ्यास मैचों को मिस करना कठिन रहा है, लेकिन अब मैं अच्छा महसूस कर रही हूं। मैं मैदान पर वापस आने और टीम में योगदान देने के लिए उत्साहित हूं।
ऑस्ट्रेलिया ने शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में कभी नहीं खेला है, और शनिवार के मैच से पहले उन्हें इस स्थल पर प्रशिक्षण का अवसर नहीं मिला। धीमे और स्पिनिंग ट्रैक ने पहले ही टूर्नामेंट में टीमों के लिए समस्या खड़ी कर दी है।
शुरुआती डबल-हेडर में, बांग्लादेश ने स्कॉटलैंड के खिलाफ 119 रनों का बचाव किया, जबकि श्रीलंका ने पाकिस्तान के खिलाफ कम स्कोर वाले मुकाबले में संघर्ष किया, जहां स्पिन का बोलबाला रहा। दोनों मैचों में स्पिनरों ने कुल 22 विकेट लिए, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि परिस्थितियां धीमी गति के गेंदबाजों के लिए अनुकूल होंगी।
लिचफील्ड ने कहा, मेरे लिए, यह पल में बने रहने और जितनी जल्दी हो सके परिस्थितियों को समझने के बारे में है। शारजाह एक चुनौती होने जा रहा है, लेकिन हम इसके लिए तैयार हैं।
एलाना किंग, लेग स्पिनर, अधिक स्पिन विकल्प प्रदान करने के लिए वापस बुलाई जा सकती हैं, खासकर परिस्थितियों को देखते हुए। यदि लिचफील्ड फिट हैं, तो टीम को अपने विकल्पों पर विचार करना होगा, ग्रेस हैरिस भी दावेदारी में हैं, जो बल्लेबाजी की गहराई और खुद एक आसान स्पिन विकल्प प्रदान करती हैं।

पाकिस्तान के मैच में बवाल,रुमाल ने दिलाया बल्लेबाज को जीवनदान

नई दिल्ली,04 अक्टूबर 2024। वुमेन्स टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का दूसरा मैच पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच खेला गया। इस मैच में एक रुमाल के चक्कर में बल्लेबाज को नॉटआउट करार दिया, जिसके चलते बवाल मच गया है। बात कुछ ऐसी थी कि गेंद फेंकी गई, बल्लेबाज को आउट भी करार दिया गया, लेकिन फिर तुरंत ही अंपायर ने अपना फैसला बदला और बल्लेबाज को नॉटआउट दिया गया। निलाक्षी डी सिल्वा. नाशरा ने गेंद फेंकी, लेकिन उस दौरान उनका रुमाल गिर गया। वहीं, निलाक्षी ने स्वीप करना चाहा, लेकिन वह गेंद को मिस कर गईं और अंपायर ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट दे दिया लेकिन, बल्लेबाजों की ओर से रुमाल गिरने की शिकायत की गई. मामला थर्ड अंपायर तक पहुंचा, जहां इस बॉल को डेड बॉल करार दिया गया और निलाक्षी को जीवनदान मिल गया।

ओडिशा एफसी ने केरला ब्लास्टर्स एफसी को 2-2 के ड्रा पर रोका

भुवनेश्वर,04 अक्टूबर 2024। ओडिशा एफसी ने अपने घरेलू मैदान कलिंगा स्टेडियम में खेले गए इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में पिछडऩे के बाद शानदार वापसी करते हुए केरला ब्लास्टर्स एफसी को 2-2 की बराबरी पर रोककर एक-एक अंक बांट लिया।रोमांचक मैच में केरला ब्लास्टर्स की ओर से मोरोक्कन विंगर नौहा सदौई ने 18 वें और स्पेनिश स्ट्राइकर हेसुस जिमेनेज ने 21वें मिनट में गोल दागे जबकि ओडिशा एफसी की तरफ से केरला ब्लास्टर्स के फ्रेंच डिफेंसिव मिडफील्डर एलेक्जेंडर कोएफ़ ने 29वें मिनट में आत्मघाती गोल और ब्राजीली स्ट्राइकर डिएगो मौरिसियो ने 36वें मिनट में गोल किए। नौहा सदौई को पहला गोल करने और दूसरे में सहायता प्रदान करने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।
आज जगरनॉट्स द्वारा वापसी करके ड्रा खेलने स्पेनिश हेड कोच सर्जियो लोबेरा निश्चित रूप से प्रसन्न होंगे। ओडिशा एफसी चार मैचों में एक जीत, एक ड्रा और दो हार से चार अंक लेकर तालिका में दसवें से नौवें स्थान पर पहुंच गई है। वहीं, ब्लास्टर्स द्वारा दो गोल की बढ़त गंवाकर ड्रा खेलने से स्वीडिश हेड कोच मिकेल स्टेहरे जरूर निराश होंगे। केरला ब्लास्टर्स एफसी चार मैचों में एक जीत, दो ड्रा और एक हार से पांच अंक लेकर तालिका में पांचवें से चौथे स्थान पर आ गए हैं।

पीएसजी के बेराल्डो ने ब्राजील की फीफा विश्व कप क्वॉलीफायर टीम में चोटिल ब्रेमर की जगह ली

ब्रासीलिया,04 अक्टूबर 2024। पेरिस सेंट-जर्मेन के डिफेंडर लुकास बेराल्डो ब्राजील की टीम में चोटिल ग्लीसन ब्रेमर की जगह लेंगे, जो 2026 फीफा विश्व कप के क्वालीफायर में चिली और पेरू का सामना करेगी।
जुवेंटस के डिफेंडर ब्रेमर, जिन्हें बुल लिपजिग के खिलाफ चैंपियंस लीग मैच के दौरान बाएं घुटने में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट की चोट लगी थी, आने वाले दिनों में सर्जरी से गुजरेंगे। कोच डोरिवल जूनियर ने कहा, दुर्भाग्य से, हमें एथलीट ब्रेमर के गंभीर रूप से घायल होने की खबर मिली है, वह व्यक्ति जो हमारे सभी सम्मान, विचार, स्नेह और समर्थन का हकदार है,ताकि वह जल्द से जल्द वापस आ सके। उसकी जगह, हम पीएसजी से बेराल्डो को बुला रहे हैं।
ब्राजील को चिली की राजधानी में नैशनल डी सैंटियागो में 10 अक्टूबर को क्वालीफायर के नौवें दौर में चिली का सामना करना है, इसके बाद 15 अक्टूबर को ब्रासीलिया में पेरू के साथ उनका मुकाबला होगा। आठ मैचों के बाद दस अंकों के साथ, ब्राजील कॉनमेबोल तालिका में पांचवें स्थान पर है। चिली पांच अंकों के साथ नौवें स्थान पर है। 10 टीमों में से शीर्ष छह टीमें सीधे क्वालीफाई करेंगी।

मुझसे रात में आकर मिलो, अब मल्लिका शेरावत ने बॉलीवुड के काले सच से उठाया पर्दा,को-एक्टर पर लगाया गंभीर आरोप

फिल्म इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच कोई नया शब्द नहीं है। हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड और यहां तक कि टॉलीवुड में भी कास्टिंग काउच का मुद्दा बार-बार उठता रहा है। हेमा कमेटी की रिपोर्ट के बाद पिछले कुछ दिनों से साउथ इंडस्ट्री में हलचल मची हुई है। कई अभिनेत्रियों ने इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच और अपने साथ हुई बदसलूकी का खुलासा किया। अब एक और हसीना ने बॉलीवुड के काले सच से पर्दा उठाया है। ये हसीना कोई और नहीं, मल्लिका शेरावत हैं। मल्लिका शेरावत ने हाल ही में कई ऐसे चौंकाने वाले खुलासे किए, जिससे पता चलता है कि इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच किस हद तक हावी है।

बोल्ड इमेज के चलते गलत समझा गयाःमल्लिका शेरावत

मल्लिका शेरावत अपनी बोल्ड इमेज को लेकर हमेशा ही चर्चा में रही हैं। लेकिन, अपनी इसी इमेज के चलते कई बार उन्हें गलत भी समझा गया। उनकी ऑनस्क्रीन इमेज को लेकर उनसे कॉम्प्रोमाइज करने को भी कहा गया। अभिनेत्री ने ई-टाइम्स के साथ इंटरव्यू में अपने साथ हुए ऐसे कई वाकयों का खुलासा किया। मल्लिका ने बताया कि उन्हें कई बार समझौता करने को कहा गया, लेकिन उन्होंने ऐसा करने से मना कर दिया, जिसके चलते उनके हाथ से कई प्रोजेक्ट निकल गए।

मुझे बड़े हीरो कॉल करते थेःमल्लिका शेरावत

मल्लिका ने इस पर बात करते हुए कहा- मुझे कुछ बड़े हीरो कॉल करते थे और कहते थे, मुझसे रात में आकर मिलो। मैं कहती- मैं रात में आकर आपसे क्यों मिलूं? वो जवाब में कहते- तुम इतने बोल्ड रोल करती हो स्क्रीन पर, फिर रात में मिलने में क्या समस्या है। होरो मेरे साथ इस तरह की लिबर्टी लेने की कोशिश करते थे। वो सोचते थे कि अगर ये पर्दे पर इतने बोल्ड सीन कर लेती है तो पर्दे के पीछे क्या दिक्कत है? लेकिन, मैं समझौता नहीं कर सकती। मैं ऐसी नहीं हूं।

जब हीरो ने आधी रात खटखटाया दरवाजा

अभिनेत्री ने अपनी एक हिट फिल्म की शूटिंग से जुड़ा किस्सा भी शेयर किया और बताया कि कैसे एक को-स्टार ने उनके साथ बदतमीजी करने की कोशिश की थी। एक्ट्रेस ने बताया कि वह दुबई में एक बड़ी फिल्म की शूटिंग कर रही थीं, जिसमें कई बड़े स्टार थे। मल्लिका कहती हैं- मैं दुबई में एक फिल्म की शूटिंग कर रही थी, ये एक मल्टी-स्टारर फिल्म थी। ये सुपरहिट फिल्म थी और लोगों को खूब पसंद आई थी। मैंने इसमें कॉमेडी रोल किया था। इस फिल्म का हीरो रात के 12 बजे मेरे कमरे का दरबाजा खटखटा रहा था। वो ऐसे दरवाजा खटखटा रहा था कि लग रहा था कि दरवाजा ही तोड़ देगा। वह मेरे कमरे के अंदर आना चाहता था। मैं बस यही सोच रही थी कि ये तो नहीं होने वाला, उसके बाद उस हीरो ने मेरे साथ कभी काम नहीं किया।

19 फिल्में,1 हिट से बनाई पहचान,सुपरस्टार के बेटे ने फ्लॉप का टैग मिलने के बाद छोड़ी इंडस्ट्री

बॉलीवुड में हर स्टार किड को सफलता नहीं मिलती और हमने ऐसे इसके कई उदाहरण देखे हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही अभिनेता के बारे में बताने वाले हैं जो सुपरस्टार्स के परिवार से ताल्लुक रखता है। इतना ही नहीं एक समय ऐसा भी आया जब शाहरुख खान चाहते थे कि उनका बेटा आर्यन उनके जैसा बने और इस एक्टर के नक्शेकदम पर चले। एक हिट के साथ एक शानदार शुरुआत के बावजूद, उनका करियर जल्द ही फ्लॉप फिल्मों की लाइन लगा दी। बॉलीवुड छोड़ने के बाद, उन्होंने टेलीविजन में हाथ आजमाया, लेकिन किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया। सुर्खियों से दूर होकर, उन्होंने बिजनेस में कदम रखा। हालांकि, कहानी यहीं खत्म नहीं होती वह फ्लॉप का टैग लगने के बाद फिर से धमाकेदार वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

शाहरुख खान का भाई बन कमाई शोहरत

आज हम जिस सुपरस्टार के बेटे की बात कर रहे हैं वो कोई और नहीं बल्कि शाहरुख खान के ऑनस्क्रीन भाई लक्ष्मण प्रसाद शर्मा लकी की बात कर रहे हैं, जिनका असली नाम जायद खान है। 1970-80 के दशक के सुपरस्टार संजय खान के बेटे, दिग्गज फिरोज खान के भतीजे और फरदीन खान के चचेरे भाई, जायद बॉलीवुड में अपनी किस्मत चमकाने के लिए खूब हाथ-पैर मार चुके हैं। अपने स्टार-स्टडेड फैमिली के बावजूद, जायद को इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ा है। मोंटगोमरी कॉलेज से बिजनेस मैनेजमेंट की डिग्री और लंदन फिल्म अकादमी से फिल्म निर्माण करने के साथ ही उन्होंने बॉलीवुड में एंट्री की। हालांकि, ईशा देओल के साथ उनकी पहली फिल्म चुरा लिया है तुमने कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई, जिसकी उन्हें उम्मीद थी और बॉक्स ऑफिस पर भी फ्लॉप रही।

1 हिट से बनाई पहचान फिर हुए गायब

जायद खान का करियर उस समय पिंक पर था जब उन्होंने ब्लॉकबस्टर फिल्म मैं हूं ना में शाहरुख खान के सौतेले भाई का किरदार निभाया था। उनकी ऑन-स्क्रीन बॉन्डिंग एक फिल्म की हाइलाइट बन गई थी और फराह खान द्वारा निर्देशित यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट हो गई। दुर्भाग्य से, यह जायद की फिल्मोग्राफी की एकमात्र बड़ी हिट साबित हुई थी। इसके बाद उन्होंने शादी नंबर वन, दस, वादा, फाइट क्लब, मिशन इस्तांबुल, युवराज और अनजाना अनजानी जैसी कई फिल्मों में काम किया, लेकिन उनमें से ज्यादातर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई। अपनी शानदार शुरुआती के बावजूद, जायद का करियर नीचे गिर गया और 2005 से 2015 तक 13 बॉक्स ऑफिस पर असफल फिल्में दीं। अपनी आखिरी फिल्म शराफत गई तेल लेने के बाद, जायद ने बॉलीवुड से दूरी बना ली। उन्होंने टेलीविजन पर भी काम किया और शो हासिल में काम किया, लेकिन छोटे पर्दे पर कुछ कमाल नहीं दिखा पाए और 2018 तक जायद पूरी तरह से लाइमलाइट से गायब हो गए।

फ्लॉप का टैग मिलने के बाद वापसी को तैयार

इस बीच, हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपडेट देते हुए जायद खान ने अपने फैंस को खुशखबरी देते हुए घोषणा की थी कि वह बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। हालांकि उन्होंने अभी तक किसी खास प्रोजेक्ट का खुलासा नहीं किया है, लेकिन वह अपनी वापसी को लेकर काफी खुश हैं। उन्होंने लिखा, नमस्ते दोस्तों! आपके प्यार और समर्थन के साथ, इंडस्ट्री में मेरे 20 साल हो गए हैं। एक बार फिर मैं आप लोगों को यह बताने के लिए उत्साहित हूं कि मेरी नई फिल्म बस आने ही वाली है और मैं ये खबर आप लोगों के साथ शेयर करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता!!!

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

राज्य सरकार ने महिला आयोग को दिया नया रूप

चार नई सदस्यों की नियुक्ति

रायपुर,04 अक्टूबर 2024(ए)। राज्य सरकार ने प्राधिकरणों में नियुक्ति के बाद अब आयोग में भी नियुक्तियां शुरू हो गया है। पिछड़ा वर्ग आयोग में अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद अब राज्य सरकार ने राज्य महला आयोग में सदस्यों की नियुक्ति की है। 4 महिलाओं को आयोग का मेंबर बनाया गया है। लक्ष्मी वर्मा (बलौदाबाजार), सरला कोसरिया (महासमुंद), ओजस्वी मंडावी (दंतेवाड़ा), दीपका सोरी (सुकमा) और प्रियबंदा सिंह जूदेव (जशपुर) को सदस्य बनाया गया है। अभी अध्यक्ष का पद खाली नहीं हुआ है, इसलिए आयोग के अध्यक्ष पद पर नियुक्त नहीं हुई है। अभी महिला आयोग की अध्यक्ष किरणमयी नायक ही है।

नारायणपुर के चार जगहों पर एनआईए ने मारा छापा

नारायणपुर-रायपुर,04 अक्टूबर 2024(ए)। नक्सल हमलों की जांच कर रही एनआईए की टीम लगातार छत्तीसगढ़ के वनांचल क्षेत्रों में लगातार छापेमार कार्रवाई कर रही है। आज भी एनआईए की टीम ने भाजपा नेता रतन दुबे की हत्या के मामले में नारायणपुर के 4 स्थानों पर दबिश दी है। बता दें कि बीते दिनों एनआईए की टीम ने कांकेर जिले के कई पत्रकारों और नेताओं के ठिकाने पर दबिश दी थी। अब देखने वाली बात ये होगी कि भाजपा नेता रतन दुबे की हत्या के मामले में एनआईए की टीम के हाथ क्या लगता है?

रायपुर रेलवे स्टेशन में हुआ बड़ा हादसा

» ट्रेन और प्लेटफार्म में फंसकर यात्री की दर्दनाक मौत

रायपुर,04 अक्टूबर 2024(ए)। रायपुर रेलवे स्टेशन में एक बड़ा हादसा हो गया, जिसमें यात्री की दर्दनाक मौत हो गई। मिली सूचना के मुताबिक यात्री पुरी-अहमदाबाद एक्सप्रेस से ओडिशा के बरमपुर से सूरत जा रहा एक यात्री रायपुर रेलवे स्टेशन में कुछ सामान लेने उतरा था। इसी बीच ट्रेन चल पड़ी और उसने चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास किया और फिसलकर प्लेटफार्म और ट्रेन के बीच फंस गया। इसी दर्दनाक स्थिति में ट्रेन जब तक रूकी यात्री फंसा रह गया। इसके बाद यात्री को बचाने के लिए रेलवे और आरपीएफ की पूरी टीम ने प्रयास किया। रेलवे के स्टॉफ ने ट्रेन की सीढ़ी काटी, लेकिन अंत में यात्री को नहीं बचाया जा सका और यात्री की दर्दनाक मौत हो गई।

नेहरू राम निषाद बने पिछड़ा वर्ग आयोग के नए अध्यक्ष

सीएम विष्णुदेव साय ने एक्स पर लिखाः

रायपुर,04 अक्टूबर 2024(ए)। राज्य शासन द्वारा नेहरू राम निषाद गृह जिला धमतरी को छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है। इस आशय का आदेश प्रदेश के पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग मंत्रालय, महानदी भवन नवा रायपुर से जारी कर दिया गया है।वहीं मुखयमंत्री विष्णुदेव साय ने बधाई देते हुए एक्स पर लिखा नेहरू राम निषाद को छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नियुक्त होने पर हार्दिक बधाई एवं सफल कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं।

शून्य प्रतिशत ब्याज पर मिलेगा एजुकेशन लोन

स्टूडेंट्स की मांग सुन सीएम ने कलेक्टर को दिया सख्त निर्देश

- » युवा संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम
- » सीएम ने छात्र-छात्राओं से किया संवाद
- » बस्तर के दौरे पर थे सीएम साय

बीजापुर,04 अक्टूबर 2024(ए)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बीजापुर स्थित सेन्ट्रल लाइब्रेरी में युवा संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उन्होंने युवाओं से सीधा संवाद किया। युवाओं से बातचीत के बीच मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रतिभाशाली युवाओं को आगे बढ़ने का पूरा अवसर दिया जाएगा। इस मौके पर युवाओं की मांग सुनकर मुख्यमंत्री ने बीजापुर कलेक्टर को आवश्यक निर्देश भी दिए। अब बीजापुर के युवाओं को जल्द ही शून्य प्रतिशत ब्याज में एजुकेशन लोन की सुविधा देने की पहल की जाएगी।

सीएम ने छात्राओं से किया संवाद

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि नवरात्रि के अवसर पर संवाद कार्यक्रम में युवाओं से मिलना एक शुभ अवसर है। मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार शिक्षा के लिए सजग है, प्रदेश में उच्च शिक्षा संस्थानों की स्थापना के साथ ही जिलों में लाइब्रेरी की सुविधा दी गई है। उन्होंने कहा कि रायपुर के नालंदा परिसर में प्रतियोगी परीक्षा के लिए विद्यार्थियों की सुविधाओं में वृद्धि की गई है। दिल्ली में यूपीएससी की तैयारी के लिए संचालित ट्राइबल यूथ हॉस्टल में सीटों की संख्या बढ़ाई गई, पीजी में रहने वाले विद्यार्थियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए उनका खर्च शासन द्वारा वहन किया जाएगा।

सीएम ने कहा हमारी सरकार युवाओं के साथ है

मुख्यमंत्री साय ने युवाओं के साथ उनके भविष्य, शिक्षा, और रोजगार के मुद्दों पर भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार युवाओं के विकास और उन्हें बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। साय ने युवाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया और सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी, जो उनके सशक्तिकरण में सहायक हो सकती हैं।

सीएम विष्णुदेव साय ने बच्चों से पूछे सवाल

कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने भी मुख्यमंत्री से अपने सवाल पूछे और अपने अनुभव साझा किए। लाइब्रेरी में आयोजित इस युवा संवाद कार्यक्रम ने जिले के युवाओं को एक सकारात्मक मंच दिया, जहां वे अपनी समस्याओं को सीधे मुख्यमंत्री के सामने रख सकें और उनके समाधान के बारे में जान सकें। मुख्यमंत्री से बातचीत में युवा राकेश ताती ने बताया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्र का होने के कारण, मेरी प्रारंभिक शिक्षा दूसरे गांव में हुई, आज मेरे गांव में पुलिस कैंप के साथ-साथ स्कूल भी खुल गए हैं। राकेश ने बताया कि मैं सहायक प्रोफेसर की तैयारी कर रहा है, लाइब्रेरी से तैयारी करने में बहुत सहायता मिलेगी।

छात्र-छात्राओं ने शेयर किया अपना अनुभव

रूखसार खान ने बताया कि जिले में अंग्रेजी माध्यम स्कूल खुलने से पढ़ाई का स्तर अच्छा हुआ है, रूखसार ने मुख्यमंत्री से बीएड-डीएड कॉलेज की खोलने की पहल मांग की। सामया हसरत ने साइंस विषय के लिए कॉलेज में प्रोफेसर की सुविधा के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। ग्राम मेड के निवासी जगपति कुर्सा ने बताया कि गांव सड़क, बिजली और अन्य विकास कार्य को गति मिल गई है। जगपति ने नीट-जेईई की तैयारी के लिए सेंट्रल लाइब्रेरी में कोचिंग की मांग रखी। पुजारी कांकेर निवासी लक्ष्मण ने बताया कि मेरे गांव में पहले स्कूल नहीं था इसलिए मैंने अपनी पढ़ाई दूसरे गांव में जाकर की लेकिन मुझे खुशी है कि अब मेरे गांव में स्कूल खुल गया है, अब गांव के बच्चे गांव में ही पढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने युवाओं की बात सुनकर उनकी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

महादेव सट्टा ऐप्प के आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

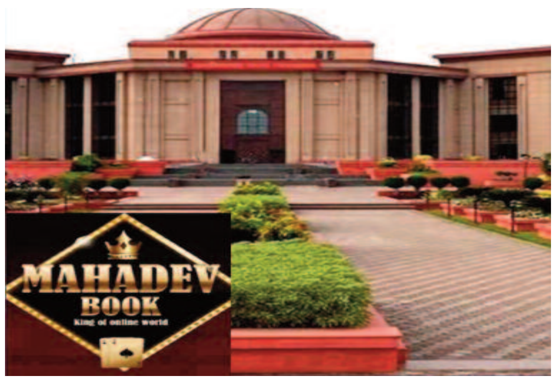

बिलासपुर,04 अक्टूबर 2024 (ए)। महादेव सट्टा एप मामला से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। इस मामले में जेल में बंद सभी आरोपियों की जमानत याचिकाओं को हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। कोर्ट ने जमानत याचिका में सुनवाई करते हुए कहा कि इतने बड़े आर्थिक अपराध और जनता के साथ किए गए इस धोखे में जमानत देने का सवाल ही नहीं उठता। बता दें कि यह मामला देशभर में हजारों करोड़ रुपये की धोखाधड़ी और सट्टेबाजी से जुड़ा हुआ है। जमानत के लिए याचिकाएं लगाने वालों में नितिन तिबरेवाल, सूरज चोखानी, अमित अग्रवाल और गिरीश तलरेजा जैसे बड़े नाम शामिल हैं,जो इस मामले के मुख्य आरोपी हैं। हाईकोर्ट की जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की बेंच ने इन सभी आरोपियों की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है. कोर्ट ने यह माना कि इतने बड़े आर्थिक अपराध और जनता के साथ किए गए इस धोखे में जमानत देने का सवाल ही नहीं उठता।

प्रदेश के बोर्ड कक्षाओं के 40 हजार बच्चों का नहीं हुआ रजिस्ट्रेशन

» माशिमं सचिव ने कहा-पालकों को नहीं, स्कूलों को देना होगा शुल्क

रायपुर,04 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में बोर्ड कक्षाओं में पढ़ रहे लगभग 40 हजार बच्चों का भविष्य दांव पर है। 587 स्कूल ने अब तक एक भी बच्चों का रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है. इसके अलावा 553 स्कूलों में किसी में 5 तो किसी में 10 बच्चों का पंजीयन (रजिस्ट्रेशन) नहीं हुआ है। पंजीयन ना होने पर यह बच्चे बोर्ड परीक्षा में नहीं बैठ पाएंगे। इन स्कूलों को नोटिस जारी करने के बाद भी बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

बच्चों को नहीं स्कूल प्रबंधन को देना होगा पेनाल्टी शुल्क

माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव पुष्पा साहू ने बताया कि प्रदेश में लगभग 7 हजार स्कूलों में 10वीं और 12वीं के विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इनमें से सीजीबीएसई बोर्ड और सीबीएसई बोर्ड के 1140 स्कूलों ने रजिस्ट्रेशन में देर की है, जिनमें से 587 स्कूल ने अब तक एक भी बच्चों का रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है। वहीं बाकी स्कूलों में किसी में 4 तो किसी में दस बच्चों का पंजीयन नहीं हुआ है। रजिस्ट्रेशन के लिए लगने वाला लेट फीस बच्चों के हिसाब से नहीं बल्कि प्रत्येक स्कूल प्रबंधन को देना होगा। इस शुल्क बच्चों को नहीं बल्कि स्कूलों को देना होगा। प्रतिदिन लेट के हिसाब से एक हजार रुपये तय किया गया है।

उन्होंने बताया कि, रजिस्ट्रेशन के लिए पहले 18 जून से लेकर 16 अगस्त तक आवेदन करने का समय दिया गया था। इस अवधि को बढ़ाते हुए 31 अगस्त तक का समय बढ़ाया गया। शिक्षा मण्डल के पोर्टल के माध्यम से जानकारी स्कूलों तक पहुंचाई गई। इसके बाद मैसेज के माध्यम से स्कूलों को सूचित किया गया फिर स्कूलों को लेटर भी भेजा गया था। इसके बावजूद भी इन लापरवाह स्कूलों ने बच्चों का पंजियन (रजिस्ट्रेशन) नहीं कराया है। इन लापरवाह स्कूलों को लेट फीस के साथ एक और मौका दिया गया है। अब 6 अक्टूबर तक रजिस्ट्रेशन कराने के लिए 31 अगस्त के बाद से प्रति दिन 1 हजार रुपये लेट फीस जमा करना होगा।

शिक्षा कार्य से जुड़े लोगों ने बताया कि बच्चों के पालकों से पूरे शिक्षा सत्र के तमाम फीस एक साथ ले ली जाती है, चाहे परीक्षा फीस हो या खेल कूद जैसे अन्य फीस. सभी तरह के फीस लेकर बैंकों में जमा कर दिया जाता है और उसका ब्याज स्कूल खाता है।

डॉ. रोहित यादव ने संभाली छत्तीसगढ़ पावर कंपनी की कमान

रायपुर,04 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनी के नए अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने 4 अक्टूबर को सेवा भवन में औपचारिक रूप से अपना पदभार ग्रहण किया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर कंपनी के प्रबंध निदेशक एसके कटियार, राजेश कुमार शुक्ला,भीमसिंह कंवर सहित कार्यपालक निदेशक और मुख्य अभियंता उपस्थित थे। पावर कंपनी के अधिकारियों के बीच यह एक महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है।

डॉ. रोहित यादव, जो 2002 बैच के आईएएस अधिकारी हैं, केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटकर छत्तीसगढ़ पहुंचे हैं। उन्हें ऊर्जा विभाग के सचिव के साथ-साथ छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही आपको बता दें कि उनसे पहले सीएम के सचिव पी. दयानंद ऊर्जा विभाग और बिजली कंपनियों के अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)